Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 215
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-बुधवार ,03 दिसम्बर 2025 लखनऊ, प्रयागराज ,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय सांस्कृतिक पहचान का नया अध्याय-जयवीर

4 एसआईआर की समय सीमा में संशोधन

5 ईडी के सामने पेश हुई अभिनेत्री नेहा शर्मा

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई

कैबिनेट ने 20 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

- कारोबारियों को एसजीएसटी और स्टांप ड्यूटी पर मिलेगी छूट
- अयोध्या में वर्ल्ड क्लास मंदिर म्यूजियम, 5 लाख करोड़ के निवेश को मंजूरी

लखनऊ : राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें 21 प्रस्ताव पेश किए गए, जिसमें 20 पर मंत्रिपरिषद की मुहर लगी। एक 14 नंबर के प्रस्ताव को पुनर्परीक्षण के लिए भेजा गया है। यह निजी अस्पतालों को प्रोत्साहन नीति के लिए था। बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने जानकारी दी।उन्होंने बताया कि उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग करने वाले लोगों को एसजीएसटी और स्टांप ड्यूटी पर छूट दी जाएगी। इसके तहत मेरठ की मेसर्स पसवारा पेपर्स लिमिटेड को 65.67 हजार का लाभ आज दिया गया। 1.5 करोड़ का लाभ पहले दिया जा चुका है। इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के तहत एक और प्रस्ताव भी पास हुआ। इसके तहत शाहजहांपुर और मथुरा की एक-एक कपंनी को लाभ मिला। बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र बनाने के लिए निशुल्क भूमि दी जाएगी। यह योग व आरोग्य केंद्र पीपीपी मॉडल पर बनेगा। कैबिनेट ने इसे भी मंजूर किया। अयोध्या में मंदिर संग्रहालय बनाया जाएगा। साथ ही उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली 2022 में संशोधन किया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में शामिल होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण अवधि, खेल की अवधि और इसके लिए आने-जाने में लगने वाले समय को भी ड्यूटी माना जाएगा। चंदौली में 4.91 अरब से 29.67 किमी सड़क को फोरलेन बनाया जाएगा। यह सकलडीहा, चहनियां और सैदपुर होते हुए जनपद को गाजीपुर से जोड़ेगा। काफी समय से इसकी मांग चल रही थी। अब इसे मंजूरी मिली। उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल 2022 की नियमावली पर भी संशोधन किया जाएगा। इसके जाति के आधार पर किसी भी बंदी से भेदभाव नहीं हो सकेगा। इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति-2005 एवं 2014 के तहत स्वीकृत एवं निष्क्रिय परियोजनाओं को निरस्तीकरण एवं क्रियाशील परियोजनाओं को पूर्ण कराने के लिए नीति को लागू किए जाने से रुकी हुई आवासीय परियोजनाएं पूर्ण हो सकेंगी। आर्थिक विकास को बढ़ावा भी मिलेगा।

एसआईआरपर संसद में हंगामा और विरोध प्रदर्शन, लोकसभा दोपहर बारह बजे तक स्थगित

नई दिल्ली: एसआईआर विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर मंगलवार को लोकसभा में जोरदार हंगामा हुआ जिसके चलते कार्यवाही शुरू होने के करीब पंद्रह मिनट बाद दोपहर बारह बजे तक स्थगित कर दी गई। विपक्षी सांसदों ने सदन में कड़ा विरोध दर्ज कराया। विपक्षी गठबंधन इंडिया के सांसदों ने चुनाव सुधारों पर चर्चा की मांग के साथ एसआईआर के विरोध में संसद परिसर में प्रदर्शन किया। सांसद मकर द्वार के पास एकत्र हुए और एसआईआर वापस लो के नारे लगाए। इस प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी वाद्रा, द्रमुक नेता टी आर बालू समेत कई अन्य सांसद शामिल हुए। एसआईआर को लेकर सोमवार को भी लोकसभा में विपक्षी दलों ने तीखा विरोध प्रकट किया था जिससे कार्यवाही प्रभावित हुई थी। विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक और कार्य मंत्रणा समिति की बैठकों में मांग रखी थी कि इस सत्र में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण और व्यापक चुनाव सुधारों पर विस्तार से चर्चा हो। शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हुआ है और उन्नीस दिसंबर तक चलेगा।

सार संक्षेप

प्रधानमंत्री ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा से की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री ने 'चक्रवात दितवाह' के कारण श्रीलंका में हुई जान-माल की हानि और व्यापक तबाही पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत के लोग इस कठिन समय में श्रीलंका के लोगों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़े हैं। राष्ट्रपति दिसानायके ने आपदा के बाद भारत की सहायता के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और बचाव दलों तथा राहत सामग्री की त्वरित तैनाती की सराहना की। उन्होंने भारत के समय पर और प्रभावी प्रतिक्रिया प्रयासों के लिए श्रीलंका की जनता की ओर से भी आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति दिसानायके को संकटग्रस्त व्यक्तियों को बचाव और राहत प्रदान करने के लिए चल रहे ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका को भारत के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि भारत अपने विजन महासागर और 'प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता' के रूप में अपनी स्थापित स्थिति के अनुरूप, आने वाले दिनों में श्रीलंका द्वारा पुनर्वास प्रयासों, सार्वजनिक सेवाओं को फिर से शुरू करने और प्रभावित क्षेत्रों में आजीविका बहाल करने के प्रयासों के तहत सभी आवश्यक सहायता प्रदान करता रहेगा। दोनों नेताओं ने निकट संपर्क बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की।

किसान मजदूर मोर्चा का 5 दिसंबर को 'रेल रोको' आंदोलन

नई दिल्ली। किसान मजदूर मोर्चा (भारत), पंजाब चैप्टर, 5 दिसंबर 2025 को दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक 19 जिलों में 26 स्थानों पर दो घंटे का प्रतीकात्मक रेल रोको (रेल नाकाबंदी) आयोजित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह विरोध प्रदर्शन विद्युत संशोधन विधेयक 2025 के मसौदे को रद्द करने, प्रीपेड मीटरों को हटाने और पुराने मीटरों को बहाल करने, भगवंत मान सरकार द्वारा सार्वजनिक संपत्तियों की जबरन बिक्री का विरोध करने और अन्य मुद्दों के समाधान के लिए किया जा रहा है। 19 जिलों में विभिन्न स्थानों पर रेल रोकी जाएगी, जिनमें शामिल हैं: अमृतसर, दिल्ली-अमृतसर मुख्य रेलवे लाइन पर देवीदास पुरा और मजीठा स्टेशन; गुरदासपुर, अमृतसर-जम्मू और कश्मीर रेलवे लाइन पर बटाला रेलवे स्टेशन, गुरदासपुर रेलवे स्टेशन और डेरा बाबा नानक रेलवे स्टेशन; पठानकोट, परमानंद क्रॉसिंग; तरनतारनः तरनतारन रेलवे स्टेशन।

लखनऊ में बेकाबू कार ने कई वाहनों को टक्कर मारी,2 की मौत

लखनऊः लखनऊ में भीषण सड़क हादसा हो गया। बेकाबू क्रेटा कार बाइक को टक्कर मारते हुए डिजायर कार से भिड़ गई। तेज टक्कर लगने से डिजायर कार बस से टकराई। उसके बाद बस डवश कार से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार 2 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। क्रेटा सवार 2 युवक घायल हो गए। हादसा सोमवार रात 12 बजे आईआईएम रोड पर आरसे लॉन के सामने हुआ। तेज रफ्तार क्रेटा इंटीग्रल यूनिवर्सिटी की ओर से आ रही थी। वह आगे चल रही बाइक को टक्कर मारते हुए डिजायर कार से भिड़ गई। इसके बाद अन्य वाहन आपस में भिड़ते चले गए। वाहनों के परखच्चे उड़ गए। मृतकों की पहचान 37 वर्षीय राजकुमार और 40 वर्षीय मिथलेश के रूप में हुई। दोनों कुर्सी रोड के रहने वाले थे। कैटरिंग का काम करते थे और घटना के वक्त अपने काम से लौट रहे थे। क्रेटा सवार युवकों की पहचान राज कमल उर्फ राज मिश्रा और अभय मिश्रा के रूप में हुई। राज कमल कार चला रहा था।

शीतकालीन सत्र में 8 दिसंबर को होगी वंदे मातरम पर चर्चा

पीएम मोदी के संबोधन से होगी शुरूआत

नई दिल्ली: संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ और मंगलवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक और कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान, सोमवार 8 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से लोकसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर और मंगलवार 9 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधारों पर चर्चा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।'8 दिसंबर को 'वंदे मातरम्' पर चर्चा बिजनेस एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में तय हुआ कि 8 दिसंबर को लोकसभा में 'वंदे मातरम्' पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। इस ऐतिहासिक चर्चा की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। माना जा रहा है कि इस बहस में राष्ट्रगीत के इतिहास, महत्व और आधुनिक भारत में उसकी भूमिका पर बात होगी। बिना व्यवधान के सत्र चलाने पर सहमति वहीं संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में कल से कार्यवाही बिना किसी व्यवधान के चलाने पर भी सहमति बन गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कमरे में हुई फ्लोर लीडर्स की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान कई दलों ने सदन की कार्यवाही को नियमित और गंभीर विषयों पर केंद्रित रखने पर सहमति जताई। 9 और 10 दिसंबर को चुनाव सुधारों पर चर्चा वहीं यह भी तय हुआ कि 9 दिसंबर को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी, जिसके लिए 10 घंटे का समय दिया गया है। इस पर सरकार और विपक्ष दोनों अपनी राय रखेंगे। चर्चा पूरी होने के बाद केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल 10 दिसंबर को सरकार की ओर से जवाब देंगे। एक दिसंबर से शुरू हुआ संसद का शीतकालीन सत्र संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलने वाला यह सत्र 15 बैठकों का होगा। लोकसभा में पहले दो दिन हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं। यह सत्र कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अहम माना जा रहा है और सभी दलों के सहयोग से इसे सुचारु रूप से संचालित करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम अब सेवा तीर्थ

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) का नाम बदलकर सेवा तीर्थ कर दिया है। देश भर के राज्य भवन का नाम अब लोक भवन होगा। इसके अलावा केंद्रीय सचिवालय को कर्तव्य भवन के नाम से जाना जाएगा। PMO के अफसरों ने कहा, 'सार्वजनिक संस्थानों में बड़ा बदलाव हो रहा है। सत्ता से सेवा की ओर बढ़ रहे हैं। ये बदलाव प्रशासनिक नहीं, सांस्कृतिक है।' इससे पहले केंद्र सरकार ने राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ किया था। पीएम का आधिकारिक निवास भी रेस कोर्स रोड कहलाता था, जिसे 2016 में बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया गया था। क्यों बदला गया राज भवन का नाम? केंद्रीय

गृह मंत्रालय ने पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में हुई एक चर्चा का हवाला देते हुए कहा कि राज भवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। इसलिए राज्यपालों और उप-राज्यपालों के कार्यालयों को अब लोक भवन और लोक निवास के नाम से जाना जाएगा। 78 साल पुराने साउथ ब्लॉक से शिफ्ट होगा ढटड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दफ्तर (PMO) अब 78 साल पुराने साउथ ब्लॉक से निकलकर 'सेवा तीर्थ' नाम वाले नए एडवांस कैंपस में शिफ्ट होने जा रहा है। यह बदलाव सेंट्रल विस्टा री डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का बड़ा हिस्सा है। 14 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन सेवा तीर्थ-2 में सेना प्रमुखों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर चुके हैं। सेवा तीर्थ में क्या-क्या होगा? PMO सेवा तीर्थ-1 से काम करेगा। सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय होगें। सेवा तीर्थ-3 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) का दफ्तर होगा। अब जानिए क्या है सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट?

'तानाशाही का नया रूप' :

केजरीवाल ने केंद्र के ऐप निर्देश को बताया व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर हमला

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को मोदी सरकार के उस निर्देश की कड़ी आलोचना की, जिसमें सभी मोबाइल निमार्ताओं को नए और मौजूदा फोन में संचार सारथी ऐप पहले से इंस्टॉल करना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने इसे व्यक्तिगत निजता और स्वतंत्रता पर सरासर हमला बताया। एक्स पर एक पोस्ट में, केजरीवाल ने आरोप लगाया कि अधिसूचना में न तो उपयोगकर्ता की सहमति मांगी गई है और न ही ऐप को अनइंस्टॉल करने का विकल्प दिया गया है।

उन्होंने इसे घोर तानाशाही कार्रवाई बताया और इसे तुरंत वापस लेने की मांग की। केजरीवाल ने पर लिखा कि मोदी सरकार द्वारा सभी मोबाइल निमार्ताओं को सभी नए और मौजूदा फोन में संचार सारथी ऐप इंस्टॉल करने का आदेश व्यक्तिगत निजता और स्वतंत्रता पर एक बेशर्म हमला है। दुनिया के किसी भी लोकतंत्र ने ऐसा करने का प्रयास नहीं किया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में ऐप इंस्टॉल करने के लिए व्यक्तिगत सहमति लेने या इसे किसी भी समय हटाने का विकल्प देने का कोई उल्लेख नहीं है। आम आदमी पार्टी इस तरह की घोर तानाशाही कार्रवाई की निंदा करती है और अधिसूचना को तुरंत वापस लेने की मांग करती है। इससे पहले आज, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्पष्ट किया कि मोबाइल उपकरणों पर 'संचार साथी' ऐप को सक्रिय करना पूरी तरह से स्वैच्छिक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपयोगकर्ता किसी भी अन्य एप्लिकेशन की तरह, किसी भी समय ऐप का उपयोग करने या इसे हटाने का विकल्प चुन सकते हैं। सिंधिया ने स्पष्ट किया कि संचार साथी एप्लिकेशन उपभोक्ताओं के लिए पूरी तरह से स्वैच्छिक है, उन्होंने दोहराया कि न तो इसे इंस्टॉल करना और न ही सक्रिय करना अनिवार्य है।

भाजपा पर अखिलेश का तीखा प्रहार

संचार साथी ऐप को बताया गिद्ध दृष्टि

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद अखिलेश यादव ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मोबाइल हेडसेट पर संचार साथी ऐप को सक्रिय करने के निर्देश को लेकर तीखा राजनीतिक हमला बोला और दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी अब नागरिकों के निजी स्थानों पर भी निगरानी बढ़ा रही है। पर साझा की गई एक पोस्ट में, अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया है, बल्कि लोगों के घरों

और परिवारों के अंदर की बातचीत की गोपनीयता भी खतरे में है। यादव की पोस्ट में लिखा है कि जिनका इतिहास ही मुखबिरी का रहा हो वो जासूसी करना कैसे छोड़ सकते हैं। भाजपा सरकार में अभिव्यक्ति की आजादी तो पहले ही छिनी जा रही थी अब घर-परिवार, नाते-रिश्तेदार, मित्रता-कारोबार की आपसी बातचीत पर भी भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों की गिद्ध निगाह लग जाएगी। अब जनता ने फैसला कर लिया है भाजपा सरकार नहीं चाहिए, तो नहीं चाहिए। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि भाजपा जाए तो निजता बच पाए! इससे पहले आज, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्पष्ट किया कि मोबाइल उपकरणों पर 'संचार साथी' ऐप को सक्रिय करना पूरी तरह से स्वैच्छिक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपयोगकर्ता किसी भी अन्य एप्लिकेशन की तरह, किसी भी समय ऐप का उपयोग कर सकते हैं या इसे हटा सकते हैं। सिंधिया ने स्पष्ट किया कि संचार साथी ऐप उपभोक्ताओं के लिए पूरी तरह से स्वैच्छिक है, और दोहराया कि न तो इसे इंस्टॉल करना और न ही सक्रिय करना अनिवार्य है।

संचार साथी एप पर प्रियंका बोलीं- सरकार जासूसी करना चाहती है

नई दिल्ली: सभी मोबाइल फोन में साइबर सिक्योरिटी एप 'संचार साथी' को प्री-इंस्टॉल करने के दूरसंचार विभाग (DoT) के आदेश पर विवाद बढ़ने के बाद मंगलवार को केंद्र सरकार की सफाई आई। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ये कंपलसरी नहीं है। चाहे तो यूजर इसे डिलीट कर सकते हैं। केंद्र सरकार ने एक दिसंबर को स्मार्टफोन कंपनियों को आदेश दिया था कि वे स्मार्टफोन में सरकारी साइबर सेफ्टी एप को पहले से इंस्टॉल करके बेचें। इसके लिए 90 दिन का समय दिया था। इस फैसले का कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने विरोध किया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि यह कदम लोगों की प्राइवेसी पर सीधा हमला है। यह एक जासूसी एप है। सरकार हर नागरिक की निगरानी करना चाहती है। साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग के लिए सिस्टम जरूरी है, लेकिन सरकार का ताजा आदेश लोगों की निजी जिंदगी में अनावश्यक दखल जैसा है।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-बुधवार,03 दिसम्बर 2025

विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्त्वावधान में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में 26 नवम्बर से 02 दिसम्बर, 2025 तक खेली गई 69वीं अखिल भारतीय रेलवे (पुरूष) वॉलीबाल चैम्पियनशिप-2025 के अंतिम दिन 02 दिसम्बर, 2025 को खेले गये फाइनल मुकाबले में उत्तर रेलवे ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 3-1 हराकर चैम्पियनशिप जीत ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर ने विजेता एवं उपजेता टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री विनोद कुमार शुक्ल, अध्यक्ष नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी, भारी संख्या में खिलाड़ी एवं पूर्वांचल के वॉलीबॉल प्रेमी उपस्थित थे।

समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री उदय

बोरवणकर ने कहा कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों ने अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय दिया। उन्होंने विजेता एवं उपजेता टीमों के खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता को पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ ने कुशलता पूर्वक सम्पन्न कराया। इसके लिए उन्होंने अध्यक्ष नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह एवं टीम नरसा को बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुक्तकंठ से सराहना की।

मुख्य अतिथि एवं महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर सहित सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ रेल अधिकारियों, सभी क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड नई दिल्ली से आये खिलाड़ियों, कोच, रेफरी एवं ऑफिशियल्स का स्वागत करते हुए महासचिव नरसा श्री पंकज कुमार सिह ने कहा कि इस चैम्पियनशिप में कुल 18 टीमों से 350 से अधिक खिलाड़ियों, कोच, रेफरी एवं ऑफिशियल्स ने भाग लिया और अच्छे खेल का प्रदर्शन कर पूर्वांचलवासियों का भरपूर मनोरंजन किया तथा यहाँ के उदीयमान वॉलीबाल खिलाड़ियों ने वॉलीबाल के गुर सीखे। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे पर स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर का निरंतर विकास एवं विस्तार हो रहा है, जिसके फलस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों के प्रदर्शन में लगातार निखार आ रहा है और वे देश एवं भारतीय रेल को गौरवान्वित कर रहे है। फाइनल मैच का पहला से सेट उत्तर रेलवे ने उतार-चढ़ाव से होते हुए 25-23 से अपने पक्ष में किया। दूसरे सेट में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने दमदार वापसी करते हुए यह सेट 25-19 से जीता। मैच 1-1 से बराबर होने पर दोनों टीमों ने तीसरे सेट में काफी जोर आजमाइश की और 1-1 अंक के लिए संघर्ष किया। अंततः उत्तर रेलवे ने यह से 25-21 से जीता। चौथे सेट भी काफी संघर्षपूर्ण रहा लेकिन यह सेट भी उत्तर रेलवे ने 25-21 से जीतकर 69वीं अखिल भारतीय रेलवे (पुरूष) वॉलीबाल चैम्पियनशिप जीत ली। तीसरे स्थान के लिए खेले गये मैच में दक्षिण पश्चिम रेलवे ने पूर्व रेलवे को 27-25, 25-19 एवं 25-13 से हराया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर एक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

48 वर्ष में भी कागजों में नाबालिग, तीन साल तहसील के काट रहे चक्कर

कानपुर। नरवल तहसील क्षेत्र के 48 वर्षीय दयाराम कोरी 2002 से लेकर अब तक चार बीघा पैतृक जमीन में हिस्सा पाने के लिए खुद को कागजों में बालिग साबित करने की लड़ाई लड़ रहे हैं। हालांकि, तहसीलदार की तैनाती न होने के कारण उनकी संशोधन फाइल तीन वर्षों से अटकी पड़ी है। कानपुर में नरवल तहसील क्षेत्र के सुनहैला गांव निवासी दयाराम कोरी (48) पुत्र मोहन पिछले तीन वर्षों से तहसीलदार कोर्ट के चक्कर काट रहे हैं। उनकी

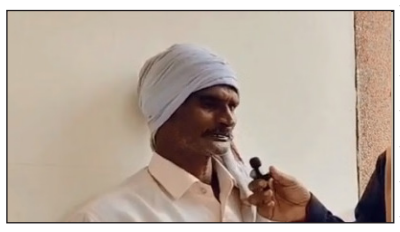

संशोधन फाइल लगातार लंबित पड़ी हुई है। दयाराम तीन भाइयों में से एक हैं, जिनमें शिवराम और रामप्रसाद शामिल थे। रामप्रसाद की मौत हो चुकी है। दयाराम के परिवार में दो बेटे और दो बेटियां हैं। इनमें से एक बेटे की शादी भी हो चुकी है। पीड़ित ने बताया कि पिता मोहन जी की चार बीघे जमीन उस समय दोनों भाइयों के नाम कर दी गई थी। जब दयाराम नाबालिग थे, तब से लेकर आज तक वे खुद को बालिग साबित करने के लिए तहसील में न्याय की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन फाइल आगे नहीं बढ़ रही है। नरवल तहसील में कई साल से चक्कर काट रहे हैं पीड़ित का कहना है कि वर्षों से लगातार प्रयास करने के बावजूद उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है और परिवार के भरण पोषण के लिए उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2002 से इस मामले को लेकर सदर तहसील में चक्कर काट रहे थे, लेकिन नरवल तहसील बनने के बाद अब यहां कई साल से चक्कर काट रहे हैं। आज तक न्याय नहीं मिल पाया है उम्र 48 की हो गई है, लेकिन कागजों में अभी भी वे नाबालिग दर्ज हैं। इसी को लेकर वे तहसीलदार कोर्ट के चक्कर लगा रहे हैं। पीड़ित ने बताया कि कई जगह से फाइल आकर अब तहसीलदार कोर्ट में अटक गई है, लेकिन तहसील में तहसीलदार की तैनाती न होने से समस्या और बढ़ गई है। इन्हीं कारणों से आज तक उन्हें न्याय नहीं मिल पाया है।

भारतीय रेलवे चौथे काशी तमिल संगमम के लिए तमिलनाडु से वाराणसी के लिए सात विशेष ट्रेनें चला रहा है

गोरखपुर: भारतीय रेलवे कन्याकुमारी, चेन्नई, कोयंबटूर और वाराणसी के बीच सात विशेष रेलगाडियों का संचालन कर रहा है ताकि चौ?थे काशी तमिल संगमम में बड़े पैमाने पर भागीदारी सुनिश्चित की जा सके और तमिल भाषी क्षेत्र व काशी के प्राचीन आध्यात्मिक केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और सुदृढ़ किया जा सके। इन विशेष ट्रेनों को इस बहु-दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए निर्बाध यात्रा, आरामदायक लंबी दूरी की कनेक्टिविटी और समय पर आगमन सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित किया गया है। 29 नवंबर 2025 को कन्याकुमारी से पहली ट्रेन के रवाना होने के साथ इन सेवाओं की शुरूआत हुई थी। इसके बाद आज चेन्नई से एक अतिरिक्त विशेष ट्रेन रवाना हुई। अगली प्रस्थान 3 दिसंबर को कोयंबटूर से, 6 दिसंबर को चेन्नई से, 7 दिसंबर को कन्याकुमारी से, 9 दिसंबर को कोयंबटूर से और 12 दिसंबर 2025 को चेन्नई से एक और सेवा निर्धारित है। इन नियोजित प्रस्थानों के साथ, तमिलनाडु के प्रमुख शहरों से बनारस के लिए कुल सात विशेष ट्रेनें एक सुव्यवस्थित और चरणबद्ध तरीके से चलेंगी। समय पर वापसी की यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय रेलवे ने बनारस से कई विशेष रेलगाडियों की व्यवस्था की है। इनमें 5 दिसंबर को कन्याकुमारी, 7 दिसंबर को चेन्नई और 9 दिसंबर को कोयंबटूर के लिए ट्रेन शामिल हैं। इसके अलावा 11 दिसंबर को चेन्नई, 13 दिसंबर को कन्याकुमारी, 15 दिसंबर को कोयंबटूर और 17 दिसंबर 2025 को चेन्नई के लिए भी अतिरिक?त रेलगाड़ियां चलेंगी। आज से शुरू हो रहा काशी तमिल संगमम का चौथा संस?करण तमिलनाडु और काशी के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक संबंध को निरंतरता देता है। यह संस्करण ₹आइए तमिल सीखें-तमिल करकलम₹ विषय पर केंद्रित है, जो वाराणसी के स्कूलों में तमिल शिक्षण पहल, काशी क्षेत्र के छात्रों के लिए तमिलनाडु के अध्ययन दौरों और तेनकाशी से काशी तक प्रतीकात्मक ऋषि अगस्त्य वाहन अभियान के माध्यम से दोनों क्षेत्रों के बीच भाषाई और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। काशी तमिल संगमम 4.0, एक भारत श्रेष्ठ भारत के सार को दशार्ता है जो लोगों को अपनी संस्कृति के अलावा अन?य समृद्ध संस्कृतियों को समझने और उसकी सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह पहल शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित है जिसमें आईआईटी मद्रास और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय प्रमुख ज्ञान भागीदार के रूप में शामलि हैं। रेलवे सहित दस मंत्रालयों की भागीदारी से, यह कार्यक्रम दोनों क्षेत्रों के छात्रों, कारीगरों, विद्वानों, आध्यात्मिक गुरुओं, शिक्षकों और सांस्कृतिक कार्यकताओं को एक साथ जोड़ता है, जिससे उनके बीच विचारों, सांस्कृतिक विधियों और पारंपरिक ज्ञान का आदान-प्रदान सुगम होता है। इन सात विशेष रेलगाड़ियों के माध?यम से सांस्कृतिक रूप से समृद्ध इस यात्रा कार्यक्रम का समन्वय कर, भारतीय रेलवे देश के विविध क्षेत्रों को जोड़ने तथा तमिलनाडु व काशी के बीच साझा विरासत को सुदृढ़ करने में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहा है।

नाबालिगों ने 80 की रफ्तार में दौड़ाई बाइक, वृद्धा को 10 मीटर घसीटा मौत

कानपुर। जाजमऊ थाना क्षेत्र में 80 की रफ्तार में बाइक चला रहे नाबालिगों ने 70 वर्षीय वृद्धा को टक्कर मारकर 10 मीटर तक घसीटा। हादसे के बाद उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर नाबालिगों की तलाश शुरू कर दी है। कानपुर के जाजमऊ थाना क्षेत्र में केडीए कॉलोनी के पास रविवार सुबह नाबालिगों ने 80 की रफ्तार में बाइक दौड़ाई। वृद्धा को टक्कर मारते हुए 10 मीटर तक घसीटते ले गए। हादसे में वृद्धा गंभीर रूप से घायल हो गई। पकड़े जाने के डर से आरोपी भाग निकले। वहीं, देर रात इलाज के दौरान वृद्धा ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम भेजा है। मेहताब मार्केट जलसा गेस्ट हाउस के पास बस्ती में रहने वाली तारा बानो (70) अपनी नातिन मुफीदा के साथ रहती थीं। बेटा कुसुमुद्दीन गुवाहटी में ईंट भट्ठे में काम करता है। मुफीदा ने पुलिस को बताया कि रविवार सुबह करीब 10 बजे नानी अपने भतीजे रोशन अली के घर पैदल केडीए कॉलोनी जा रही थीं। पीछे से आ रहे बाइक सवार नाबालिगों ने तेज रफ्तार में उन्हें टक्कर मारी। अनियंत्रित रफ्तार से उन्हें समेटते हुए गिर गए। इसके बाद आरोपी पास की गली से भाग निकले। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है टीम परिजनों के अनुसार प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक पर सवार दोनों नाबालिग थे। पुलिस उनकी बाइक थाने ले गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में वृद्धा के पैर, हाथ व चेहरे पर दस से ज्यादा चोटें आई हैं। जाजमऊ थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह के अनुसार जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। चालक नाबालिग बताए जा रहा हैं। एक टीम घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है। पूर्व में भी नाबालिगों की गलती ले चुकी जान 11 मई 2023 को विष्णुपुरी में कार सीख रहे कारोबारी के नाबालिग बेटे ने ई-रिक्शे में टक्कर मारी इससे मकड़ीखेड़ा के विनोद की बेटी कल्पना की मौत हो गई थी। 27 अक्तूबर 2023 को गंगाबैराज में मैगी पॉइंट पर सर्जन डॉक्टर के नाबालिग बेटे ने कार दौड़ाई जिसमें रामनिहालपुरवा के सागर की मौत व आशीष घायल हुआ था। 17 फरवरी 2024 को बिठूर से गंगाबैराज मार्ग पर नाबालिग कार चालक ने गुजरात अपार्टमेंट निवासी दवा कारोबारी निकेत तलाटी को कुचल दिया था। 2 अगस्त 2024 को साकेत नगर टेलीफोन एक्सीचेंज के पास नाबालिग कार चालक ने 120 की रफ्तार में महिला भावना को रौंदा बेटी मेधावी घायल हुई थी। 26 दिसंबर 2024 को फजलगंज के दर्शनपुरवा में नाबालिग कार चालक ने सरोजनी नगर निवासी अनिल कुमार श्रीवास्तव को रौंद दिया था। 16 अगस्त 2025 को चकेरी के केडीए कालोनी में 100 की रफ्तार में नाबालिग नगर निगम की सफाईकर्मी महिला गुड्डन को समेटते ले गया, मौत। 27 सितंबर 2025 को गुजैनी के मेहरबान सिंह पुरवा में नाबालिग बाइक सवारों ने 80 की स्पीड में बाइक दौड़ाई, वृद्धा कुसुमा देवी की टक्कर से जान चली गई थी।

स्टार परफॉर्मर ऑफ द मंथ संरक्षा पुरस्कार प्राप्तकताओं के साथ महाप्रबन्धक एवं अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने महाप्रबन्धक सभाकक्ष में 02

दिसम्बर, 2025 को संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य सम्पादन के लिए 04 कर्मचारियों को ह्यस्टार परफॉर्मर ऑफ द मंथह्य घोषित कर नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्तकताओं में लखनऊ मंडल के लोको पायलट/मेल एवं सहायक लोको पायलट/मेल पद पर कार्यरत श्री युधिष्ठर मीना एवं श्री मिथिलेश कुमार दास को 29 सितम्बर, 2025 को गाड़ी संख्या-15113 पर कार्य के दौरान चौकाघाट-घाघराघाट खण्ड में किमी सं0 708/08 से 708/02 पर जर्क मिला, जिसकी सूचना आपने ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर घाघरा घाट को दी। आन ड्यूटी स्टेशन मास्टर घाघरा घाट ने तुरन्त इसकी सूचना इंजीनियरिंग विभाग को दी। इंजीनियरिंग विभाग ने इसकी जाँच कराकर इस खण्ड में 50 किमी0/घण्टा का काशन लगाया। श्री युधिष्ठर मीना एवं श्री मिथिलेश कुमार दास की सूझबूझ एवं सतर्कता से एक संभावित दुर्घटना को बचाया गया। वाराणसी मंडल के छपरा स्टेशन पर वरिष्ठ तकनीशियन/समाडि/डिपो के पद पर कार्यरत श्री संतोष कुमार राम ने 15 नवम्बर, 2025 को 14.00 से 22.00 बजे की पाली में ड्यूटी के दौरान वाशिंग पिट पर प्लेस 12669/70 के रेक के अनुरक्षण के दौरान यान सं0 176530/सी/एलडब्ल्यूएस के सीबीसी ड्राफ्ट गियर का इण्ड कैप मिसिंग तथा स्पिण्डल खुला हुआ देखा, जो संरक्षा के दृष्टि से सही नही था। आपने समय रहते कार्यरत पर्यवेक्षक को सूचित कियाा। फलतः इस यान को रेक से डिटैच कर सिक लाईन में मरम्मत हेतु भेज दिया गया और एक संभवित दुर्घटना होने से बचाया गया। श्री संतोष कुमार की सतर्कता से एक सम्भावित दुर्घटना को बचाया जा सका। इज्जतनगर मंडल के बरेली सिटी स्टेशन पर लोको पायलट/मेल के पद पर कार्यरत श्री रवि रंजन राजर्षि ने 30 नवम्बर, 2025 को गाड़ी संख्या 15076 पर कार्य के दौरान 08.49 बजे देखा कि खटीमा डाउन होम रूट इण्डीकेटर के साथ लाईन संख्या 01 के लिए ऑफ था।

यात्री के स्टेशन पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 01 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15707 में घर से नाराज होकर जा रही 16 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे सुरक्षित उतारकर गोरखपुर पोस्ट पर लाया गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 01 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट देवरिया सदर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर घर से नाराज होकर आयी 17 वर्ष की लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, देवरिया को सुपुर्द किया गया। 01 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15003 में यात्री का छूटा 01 बैग मिला, जिसे गोरखपुर पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 01 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी आनन्दनगर को निगरानी के दौरान सिद्धार्थनगर स्टेशन पर यात्री का छूटा 01 बैग मिला, जिसे सिद्धार्थनगर स्टेशन पर जमा किया गया। यात्री के मित्र के स्टेशन पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 01 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लालकुआँ को निगरानी के दौरान रेलवे स्टेशन लालाकुआँ परं यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे लालकुआँ स्टेशन पर जमा किया गया। यात्री के स्टेशन पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

संक्षिप्त खबरें

फंदे से लटका मिला युवती का शव

नगर बाजार (बस्ती)। थाना क्षेत्र के ग्राम हथिया उपाध्याय गांव में 23 वर्षीय युवती का सोमवार देर शाम कमरे के अंदर छत की कुंडे में रस्सी के फंदे से लटका शव मिलने से सनसनी फैल गई। परिवार के लोगों ने बताया कि अर्पिता उर्फ मुस्कान पुत्री राकेश ने सोमवार की शाम कमरे में जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। घर वालों ने समझा कि कुछ काम कर रही होगी। काफी देर तक वह कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिजनों ने आवाज दी। लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया। परिजन दरवाजे की कुंडी तोड़कर अंदर गए तो उसका शव देख सन्न रह गए। इसी बीच सूचना पाकर मौके पर थाना प्रभारी नगर विश्व मोहन राय फोरेंसिक टीम के साथ पहुंच गए। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण कर नमूने एकत्रित किए। एसओ ने बताया कि परिवार के लोगों से जानकारी ली जा रही है।

सफेद दूध का काला कारोबार क्रीम निकाल ले रहे धंधेबाज

बस्ती। मिलावटी पनीर बनाने की फैक्टरी का भंडाफोड़ होने के बाद भी विभागीय टीम सक्रिय नहीं है। रोकथाम के लिए जिम्मेदार एफएसडीए (खाद्य औषधि एवं सुरक्षा प्रशासन) की टीम अपमिश्रण व मिलावटखोरी रोकने के नाम पर सिर्फ खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग व जांच में ही अटकी है। सिंथेटिक दूध का काला कारोबार सामने आया है। यहां दूधिए क्या मिलाकर दूध घरों में पहुंचा दे रहे, कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन, सैंपल की आई जांच रिपोर्ट चौंकाने वाली है। पहली बार दूध में फॉरेन फैट (विजातीय वसा) मिला है। रिपोर्ट मिलने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया। बताया गया कि दूध में मिल्क फैट कम जबकि फॉरेन फैट अधिक था। यही दूध शहर के कई घरों तक पहुंच रहा है, जिसे लोग निडर होकर पी रहे, लेकिन यह सेहत के लिए घातक है। लंबे समय तक इसके सेवन से पेट की बीमारी बढ़ जाएगी। जानकारों ने बताया कि जिले में दूध का उत्पादन कम है। मांग के अनुसार दूध न होने पर दूधिए और अन्य धंधेबाज दूध में खेल कर रहे। सफेद दूध के जरिये काला धंधा चमकाने को कई प्रकार के मिलावट कर रहे। जानकारों ने बताया कि शहर में अधिकांश दूध की आपूर्ति डेयरियों से होती है। अधिकांश डेयरी मालिक अपनी गाय भैंसों को ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगाकर दूध निकालते हैं।

85 फीसदी पूर्ण हुआ एसआईआर का काम

बस्ती। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रगति 85 प्रतिशत पहुंच गई है। 15 प्रतिशत मतदाताओं के सत्यापन से जुड़े डाटा फीडिंग का कार्य अभी शेष रह गया है। विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर प्रक्रिया सबसे तेज गति पूरी की जा रही है। शहरी क्षेत्र से जुड़े बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र में इस प्रक्रिया की प्रगति धीमी है। ग्रामीण अंचल से शहर में आकर बसने के कारण कुछ एसआईआर भरने से परहेज भी कर रहे हैं। वहीं कुछ मतदाताओं का वर्ष 2003 की पुनरीक्षण सूची से मिलान भी नहीं हो पा रहा है। चुनाव आयोग के आंकड़े के अनुसार जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में कुल मतदाताओं की संख्या 19 00 430 है। इनके एसआईआर प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक महीने से सरकारी मशीनरी शिद्दत से जुटी है। अभी तक 1617762 मतदाताओं का एसआईआर प्रक्रिया पूरा किया गया है। यह संख्या 85 प्रतिशत है। चुनाव आयोग एसआईआर प्रक्रिया पूरी करने की अवधि एक सप्ताह तक बढ़ा दी है। इससे बीएलओ एवं पुनरीक्षण संबंधी कार्यों में जुटे राजस्व एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने काफी सुकून महसूस किया। सबसे धीमी प्रगति सदर विधानसभा क्षेत्र में है। यहां केवल 68.95 प्रतिशत मतदाताओं की एसआईआर प्रक्रिया पूरी की जा सकी है। पिकौरा बख्श के पंकज कुमार, रौता के आशीष, नीरज आदि मतदाताओं का कहना है कि उन्हें एसआईआर फॉर्म मिला तो हैं लेकिन वर्ष 2003 का रिकॉर्ड ऑनलाइन नहीं उपलब्ध हो पा रहा है।

बिजली बिल को लेकर जेई को मारने के लिए दौड़ाया

संवाद न्यूज एजेंसी सल्टौआ (बस्ती)। विद्युत उपकेंद्र बघौड़ी में सोमवार को लगे रजिस्ट्रेशन कैंप के दौरान बीडीसी पति और जेई के बीच उपभोक्ता के बिल को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि बीडीसी के पति संजय यादव जेई सूर्य नाथ यादव को अपशब्द कहते हुए मारने के लिए दौड़े। वहां मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया। किसी ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी ऐसे किसी वीडियो की पुष्टि नहीं करता। जेई सूर्य नाथ यादव ने बताया कि विद्युत कैंप के दौरान कुछ लोग सरकारी कार्य में बाधा डालने लगे, मना करने पर गाली-गलौच और जान से मारने की धमकी दी गई। उन्होंने कहा कि इस संबंध में लिखित तहरीर वाल्टरगंज थाने पर दी जाएगी। वहीं, बीडीसी पति संजय यादव का कहना है कि उनके गांव के नंदकिशोर का दो महीने का बिजली बिल नौ हजार रुपये आया था, जिसकी वजह से उन्होंने जेई से बात की थी। लेकिन बातचीत के दौरान जेई नाराज हो गए और अपशब्द कहने लगे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शराबी दूल्हे पर भड़की दुल्हन ससुराल जाने से किया इन्कार

कप्तानगंज। शादी में शराब पीने के चलते एक युवक की शादी होते-होते रह गई। दूल्हे के शराब के नशे में होने पर दुल्हन भड़क गई और ससुराल जाने से इन्कार कर दिया। इसके बाद बरात बिना दुल्हन के वापस लौट गई। जानकारी के अनुसार, कप्तानगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार रात बरात आई थी। रात लगभग 11 बजे जयमाला का कार्यक्रम शुरू होने वाला था, तभी दूल्हे ने शराब पी ली। दुल्हन जब स्टेज पर जयमाल डालने आई, तो दूल्हा शराब के नशे में लड़खड़ा गया। इस पर दुल्हन भड़की, लेकिन परिवार के लोगों ने समझाने पर किसी तरह शादी पूरी कराई। सोमवार की सुबह विदाई के समय दूल्हा और उसके पिता शराब पीकर जनवासे में बैठ गए। दुल्हन पक्ष के लोगों को यह स्वीकार्य नहीं था, जिससे विवाद बढ़ गया। सूचना पर कप्तानगंज पुलिस मौके पर पहुंची और काफी समझाने के बावजूद मामला नहीं सुलझा। एसओ कप्तानगंज आलोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों पक्षों ने आपसी समझौता किया। वर पक्ष ने तिलक की नकदी लौटाई और कन्या पक्ष ने गहने वापस किए। इसके बाद बारात बिना दुल्हन के ही लौट गई।

कब्रिस्तान में दिखे दो अजगर, ग्रामीणों में दहशत

नगर बाजार (बस्ती)। बहादुरपुर विकासखंड के ग्राम अमिलहा में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब गांव के कब्रिस्तान के पास झाड़ियों में दो बड़े अजगर निकल आए। ग्रामीणों के मुताबिक सुबह कुछ लोगों ने झाड़ियों के बीच दो अजगरों को रेंगते हुए देखा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों ने तत्काल सांप पकड़ने के विशेषज्ञ घनश्याम बाबा को सूचना दी। जानकारी मिलते ही वह मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। अजगर झाड़ियों में छिपे होने के कारण उन्हें बाहर निकालने में दिक्कत आ रही थी।

फाफ को छोड़ना कठिन था लेकिन हमे युवा विकल्पों की जरूरत थी

नई दिल्ली। डुप्लेसिस आईपीएल कैरियर में चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और अब खत्म हो चुकी राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स के लिए खेल चुके हैं। वह पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे और अब पाकिस्तान सुपर लीग में खेलेंगे। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमंग बदानी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज फाफ डुप्लेसिस को छोड़ना आसान फैसला नहीं था, लेकिन टीम के खेलने की शैली के अनुरूप युवा और अधिक आक्रामक विकल्प के लिये ऐसा करना पड़ा। डुप्लेसिस आईपीएल कैरियर में चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और अब खत्म हो चुकी राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स के लिए खेल चुके हैं। वह पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे और अब पाकिस्तान सुपर लीग में खेलेंगे। बदानी ने जियोस्टार पर टाटा आईपीएल रिटेंशन शो में कहा, 'फाफ डुप्लेसिस जैसे खिलाड़ी को छोड़ना आसान नहीं होता।

अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय सांस्कृतिक पहचान का नया अध्याय-जयवीर

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कैबिनेट बैठक में प्रदेश के पर्यटन परिदृश्य को नई गति देने वाले तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी। बैठक में अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण एवं संचालन के प्रस्ताव के साथ-साथ उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली 2025 को मंजूरी और बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग एवं वेलनेस सेंटर की स्थापना के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने तीनों प्रस्तावों पर कैबिनेट की सहमति को प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। कैबिनेट ने अयोध्या में अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर निर्माण, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा और धर्म ध्वजा स्थापना के बाद से अयोध्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। अयोध्या धाम में एक बड़े सांस्कृतिक संग्रहालय की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी, जिसे सरकार ने मंजूरी दी।मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के अनुपालन में ग्राम मांझा जमथरा, तहसील सदर, जनपद अयोध्या की नजूल भूमि पर टाटा ग्रुप के सहयोग से सीएसआर फंड के माध्यम से विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण एवं संचालन हेतु एक त्रिपक्षीय एमओयू 3 सितम्बर 2024 को हस्ताक्षरित किया गया। मात्र1 रुपए वार्षिक धनराशि पर 90 वर्षों के लिए आवंटित 25 एकड़ भूमि के साथ 52.102 एकड़ का निःशुल्क हस्तांतरण पर्यटन विभाग के पक्ष में प्रस्तावित है। टाटा समूह द्वारा बनाए जाने वाले विश्व स्तरीय संग्रहालय का उद्देश्य प्राचीन मंदिर वास्तुकला शैलियों का विकास, सिद्धांतों, क्षेत्रीय शैलियों और साहित्य कलात्मक और ऐतिहासिक रुचियों के वस्तुओं आदि का व्यापक प्रदर्शन करना है। यह संग्रहालय अयोध्या आने वालों के लिए सुखद अनुभूति प्रदान करेगा। भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या आज विश्वस्तरीय धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन गंतव्य के रूप में तेजी से विकसित हो रही है। वर्तमान में प्रतिदिन 2 से 4 लाख यात्रियों का अयोध्या धाम आना इस बढ़ती लोकप्रियता का स्पष्ट संकेत है। राम मंदिर देशी-विदेशी पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। ऐसे में अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय का निर्माण एवं संचालन आगंतुकों के लिए एक विशेष उपहार होगा। यह परियोजना न केवल अयोध्या के सांस्कृतिक वैभव को वैश्विक मंच पर स्थापित करेगी, बल्कि आधुनिक विरासत संरक्षण, पर्यटन विकास और आर्थिक प्रगति का एक नया मॉडल भी प्रस्तुत करेगी।

हर महीने 21 तारीख को नौकरी का मौका

योगी सरकार बना रही बेरोजगार युवाओं की लिस्ट

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार अब हर महीने की 21 तारीख को रोजगार मेला आयोजित करेगी, जहां बेरोजगार युवाओं को विभिन्न कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। इसके लिए सरकार ने राज्यभर में बेरोजगार युवाओं की विस्तृत सूची तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि उन्हें रोजगार मेलों में प्राथमिकता दी जा सके। यूपी कौशल विकास मिशन के तहत सभी मंडलों में 10 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से कौशल प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाना है। पिछले तीन वर्षों में प्रशिक्षण लेने वाले बेरोजगार युवाओं का विस्तृत डेटाबेस तैयार किया जाएगा। इन्हें प्रत्येक माह 21 तारीख को आईटीआई में आयोजित होने वाले रोजगार मेले में अवसर मिलेगा। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने जिला समन्वयकों और एमआईएस प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता में किसी भी तरह की गड़बड़ी पाई गई तो संबंधित संस्था को तुरंत ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए पासवर्ड-प्रोटेक्टेड प्रश्नपत्र भेजे जाएंगे। प्रतियोगिता के बाद हर कौशल क्षेत्र से पांच योग्य अभ्यर्थियों के नाम मिशन कार्यालय को भेजने होंगे। चयनित उम्मीदवारों की मंडल स्तर तक भागीदारी अनिवार्य रहेगी, ताकि वे प्रदेश स्तर तक आगे बढ़ सकें। यूपी सरकार की ओर से राज्य के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त खबरें

प्रत्यक्ष कर संबंधी शोधकार्य पर राहुल गुप्ता को पीएचडी की उपाधि मिली

लखनऊ(संवाददाता)। भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष कर पर शोध भारत में प्रत्यक्ष करों और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव पर विश्लेषणात्मक अध्ययन में संबंधित नियमों और भारत की अर्थव्यवस्था में उनकी उपयोगिता पर किये गये महत्वपूर्ण शोधकार्य के लिये राहुल गुप्ता को पीएचडी उपाधि प्रदान की गयी है। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में प्रोफेसर गजराज सिंह के दिशानिर्देशन में संबंधित शोधकार्य को पूरा करने वाले राहुल गुप्ता ने पत्रकारों को बताया कि उनकी यह रिसर्च आर्थिक शोधार्थियों और अर्थव्यवस्था पर कार्य करने वाले विशेषज्ञों के लिये बहुत उपयोगी साबित होगी।

दिसंबर में अब तक का सबसे अधिक 5.56 प्रतिशत ईंधन अधिभार शुल्क

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कू उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा जारी नवीन आदेश के अनुसार दिसंबर माह में राज्य के विद्युत उपभोक्ताओं से अब तक का सबसे अधिक ईंधन अधिभार वसूला जाएगा। सितंबर माह के ईंधन लागत अंतर को समायोजित करते हुए 5.56 प्रतिशत का ईंधन अधिभार लगाया गया है। केवल दिसंबर महीने में ही पावर कॉरपोरेशन लगभग 264 करोड़ की अतिरिक्त वसूली उपभोक्ताओं से करेगा। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने इस बढ़ोतरी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर इस वर्ष ही लगभग 18,592 करोड़ का सरप्लस बन रहा है। इससे पहले का 33,122 करोड़ का सरप्लस पहले से मौजूद है। कुल मिलाकर उपभोक्ताओं का 51,000 करोड़ से अधिक का सरप्लस बिजली कंपनियों के पास है।इसके बावजूद भी उपभोक्ताओं से ईंधन अधिभार की वसूली करना अनुचित और उपभोक्ता हितों के विपरीत है।

सर्बादन को जोनल कार्यालय में दी गई विदाई

लखनऊ(संवाददाता)। जोन-5 में बेलदार के पद पर कार्यरत श्री सबार्दीन 30 नवम्बर को को अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए हैं। जिसके उपलक्ष्य में जोन के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। जोन -5 के अधिकारीगण और कर्मचारियों ने फूल-माला पहनाकर सम्मानित कर उपहार के साथ विदाई दी गई। नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ संगठन मंत्री अर्जुन यादव ने बताय कि उक्त कार्यक्रम में कर अधीक्षक सभाजीत सिंह, अवर अभियंता श्री कैलाश,नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ के महामंत्री शमील एखलाक, श्री शमशाद ज,कर्मचारी नेता अमित शुक्ला एवं जोन के स्वास्थ्य विभाग, अभियंत्रण विभाग कर विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

गन्ना पर्यवेक्षक को 36 वर्षो से डी.पी.सी. का इंतजार

लखनऊ(संवाददाता)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उ प्र के महामंत्री अतुल मिश्रा ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि गन्ना विभाग में कार्यरत गन्ना पर्यवेक्षक की पदोन्नति गन्ना विकास निरीक्षक के पद पर होनी है। विभाग में गन्ना पर्यवेक्षक के पद पर कार्य करते 36 वर्ष व्यतीत हो गये, परन्तु इनकी पदोन्नति नहीं की गई। श्री मिश्रा ने कहा अत्यन्त खेद का विषय है कि मुख्य सचिव द्वारा समस्त विभागों को कई बार शासनादेश जारी करते हुए निर्देशित किया है कि कर्मचारियों की पदोन्नति समय पर की जाये। परन्तु गन्ना विभाग द्वारा शासनादेशों को अनदेखी कर पदोन्नति की प्रक्रिया को विगत कई वर्ष से लम्बित रखे हुये है, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक हानि उठानी पड़ा रही है, जो कदापि उचित नहीं हैं। श्री मिश्रा ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री ने भी कई बार बैठकों में कड़े निर्देश दिये हैं कि सरकार कर्मचारियों की समस्याओं के निस्तारण हेतु प्रयत्नशील है और समाधान कर भी रही है। अधिकारी भी इस महत्वपूर्णता को समझे और प्रत्येक माह कर्मचारी संगठनों के साथ वार्ता आहूत करें जिससे कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण समय से हो सके।

सुरो के सरताज ने महफिल सजाई हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में

लखनऊ(संवाददाता)। स्मृति उपवन में आयोजित माँ गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वाधान में हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि अध्यक्ष केयर एजुकेशनल ट्रस्ट डॉ सीमा यादव आयोजक अरुण प्रताप सिंह,गुंजन वर्मा, रनवीर सिंह एवं हेमू चौरसिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में ष्सुरो के सरताजष का कार्यक्रम में कलाकारों ने सांस्कृतिक मंच से सुरो की आवाज बिखेर कर श्रोताओं और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। सुरों के सरताज में देवेंद्र मैंगी ने दिल के टुकड़े-टुकड़े करके.... हिमांशु ने जन्म जन्म... नजर के सामने... सत्यम ने हर किसी को नहीं मिलता... पूनम, अनुराग, सीमा विरमानी ने आपके प्यार में हम... गीत गाकर श्रोताओं का मोहा मन। सीमा बिरमानी ने इस कार्यक्रम को संचालित किया। कार्यक्रम के अगले पड़ाव में सुनीता राय के संयोजन में एम एम एम ग्रुप सिंगर ने अपने-अपने हुनर दिखाएं।इस तरह से आशिकी... अनुराग श्रीवास्तव सूरज हुआ मध्यम.... राहुल कुछ ना कहो... संजय कुमार कह दूं तुम्हें... सुनील एवं शालू की जुगलबंदी से श्रोताओं को आकर्षित किया।कार्यक्रम के अंत में कल्याणी फाउंडेशन एवं केयर एजुकेशन एकेडमी द्वारा ष्गुलदास्तांष प्रस्तुत किया गया।

नही हुई डीपीसी,राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने जताई नाराजगी

लखनऊ(संवाददाता)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के महामंत्री अतुल मिश्रा ने कहा कि गन्ना विभाग में कार्यरत गन्ना पर्यवेक्षक की पदोन्नति गन्ना विकास निरीक्षक के पद पर होनी है। विभाग में गन्ना पर्यवेक्षक के पद पर कार्य करते 36 वर्ष व्यतीत हो गये, परन्तु पदोन्नति नहीं की गई। मुख्य सचिव ने विभागों को कई बार शासनादेश जारी कर निर्देशित किया है कि कर्मचारियों की पदोन्नति समय पर की जाये। परन्तु गन्ना विभाग शासनादेशों की अनदेखी कर पदोन्नति की प्रक्रिया कई वर्ष से लम्बित रखे हुये है, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक हानि उठानी पड़ रही है और उनमें नाराजगी है। मुख्यमंत्री ने भी कई बार बैठकों में कड़े निर्देश दिये हैं।सरकार कर्मचारियों की समस्याओं के निस्तारण हेतु प्रयत्नशील है और समाधान कर भी रही है। अधिकारी भी इसको समझे और प्रत्येक माह कर्मचारी संगठनों के साथ वार्ता आहूत करें जिससे कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण समय से हो सके। उनके निर्देश पर मुख्य सचिव ने सभी अपर मुख्य सचिव प्रमुख सचिव सचिव विभागाध्यक्ष कमिश्नर जिलाधिकारी को संगठनों के साथ प्रत्येक माह वार्ता आहूत कर प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का निस्तारण पर जोर दिया। विगत दो वर्षों से विभागों के अधिकारी को पत्र लिखकर बैठक आहूत करने हेतु अनुरोध किया गया परन्तु कोई बैठक आहूत नहीं हुई जिससे कर्मचारियों के पदोन्नति सहित कई प्रकरण लंबित पड़े हैं और कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को पत्र भेजकर अनुरोध किया है कि कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु पुनः प्रभावी निर्देश जारी करें।

हर मण्डल में खुलेगा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र: कश्यप

लखनऊ(संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोक भवन, लखनऊ में आयोजित कैबिनेट बैठक में प्रदेश के सभी 18 मण्डल मुख्यालयों पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र की स्थापना एवं संचालन राज्य सरकार के संसाधनों से किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। वर्तमान में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा केवल 37 जनपदों में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र का संचालन किया जा रहा है, जिनमें से 11 ही मण्डल मुख्यालयों पर संचालित हैं। प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सम्मान, सुरक्षा और समग्र सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 13 अक्टूबर को विभागीय कार्ययोजना के प्रस्तुतीकरण को अनुमोदित करते हुए मण्डल मुख्यालयों पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र स्थापित करने की दिशा में अग्रेतर कार्यवाही के निर्देश दिए थे, जिसके बाद कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को औपचारिक स्वीकृति दे दी। योगी सरकार द्वारा संचालित यह नई व्यवस्था दिव्यांगजनों के लिए सेवा-प्रदान को अधिक पारदर्शी, सुगम, समयबद्ध और प्रभावी बनाएगी। नव-स्थापित केन्द्रों के माध्यम से दिव्यांगजन सर्वेक्षण एवं चिह्नांकन, दिव्यांग शिविरों का आयोजन, सहायक उपकरणों की मरम्मत, कृत्रिम अंगों का निर्माण व फिटमेंट, चाल और उपयोग प्रशिक्षण, उपकरण वितरण, दिव्यांगता की रोकथाम के लिए जागरूकता, प्रारम्भिक पहचान और सक्रिय हस्तक्षेप जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ एक ही छत के नीचे प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही दिव्यांग प्रमाण-पत्र, यूडीआईडी कार्ड जारी कराने की प्रक्रिया भी जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र के माध्यम से सुचारू रूप से संचालित हो सकेगी। इन केन्द्रों में परामर्श, फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी जैसी आवश्यक नैदानिक सेवाएँ भी उपलब्ध कराई जाएँगी, जिससे दिव्यांगजन और उनके परिवारों को उपचार एवं पुनर्वास संबंधी सहायता स्थानीय स्तर पर सुलभ होगी।

एसटीएफ का फरार सिपाही आलोक सिंह गिरफ्तार

कफ सिरप मामले में तलाश थी

लखनऊ(संवाददाता)। एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह आखिरकार लखनऊ से गिरफ्तार हो गया। एसटीएफ ने मंगलवार को उसे पकड़ा। एक दिन पहले ही लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। आलोक कोडीनयुक्त नशीले कफ सिरप मामले में फरार था। पूर्वांचल के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह के साथ उसकी कई तस्वीरें हैं। कफ सिरप की तस्करी में कई गिरफ्तारियां होने के बाद आलोक सिंह विदेश भागने की फिराक में भी था। पूछताछ में आलोक ने एसटीएफ को बताया कि सरेंडर करने जा रहा था। लखनऊ कोर्ट में इसके लिए अर्जी भी दाखिल की थी। इससे पहले ही एसटीएफ ने उसे दबोच लिया। कफ सिरप कांड में अब तक कुल 3 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। आलोक से पहले 27 नवंबर को अमित सिंह टाटा, 30 नवंबर को भोला जायसवाल को पकड़ा गया था। आलोक का पैतृक घर चंदौली में है। लखनऊ में नाका के मोतीनगर में भी उसका घर है। साल- 2006 में प्रयागराज के कारोबारी से लखनऊ में 4 किलो सोना लूट लिया गया था। इस मामले में 5 पुलिसकर्मियों समेत 7 लोग आरोपी बनाए गए थे। आरोपियों मे दरोगा संतोष सिंह, बृजनाथ यादव, तत्कालीन लखनऊ क्राइम ब्रांच के सिपाही सुशील पचौरी, आलोक सिंह और संतोष तिवारी के साथ नीरज गुप्ता और सुभाष भी शामिल थे। पुलिस ने शुरूआती दौर में 3 किलो सोना बरामद करने का दावा किया था। इसके बाद आलोक और सुशील पचौरी को पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। हालांकि, मामला कोर्ट में जाने पर आलोक सिंह के पक्ष में फैसला आया। इसके बाद 27 सितंबर, 2022 में उसे सेवा में बहाल कर दिया गया था। इस बीच आलोक पर नाका क्षेत्र में व्यापारी से लूट समेत कई संगीन आरोप लगे। तब उसे लाइन हाजिर कर दिया गया। उसी दौरान उसकी नजदीकियां पूर्व सांसद धनंजय सिंह से बढ़ीं। इसके बाद वह रियल एस्टेट और अन्य कारोबार के जरिए प्रभावशाली बन गया। इसी बीच, 2019 में पूर्व सांसद धनंजय सिंह और आलोक सिंह पर आरोप लगा था कि हजरतगंज इलाके में मुख्तार अंसारी के प्रतिनिधियों पर जानलेवा हमला किया है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि आलोक सिंह से पूछताछ में दुबई कनेक्शन और नेटवर्क को शह देने वाले लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। उससे जुड़े रियल एस्टेट कारोबार, फर्जी फर्मों और स्लीपर सेल जैसी संरचना की भी जांच की जाएगी। खासतौर पर उन सफेदपोशों और प्रभावशाली लोगों की भूमिका पर फोकस है, जिनके संरक्षण में यह सिंडीकेट फल-फूल रहा था। आलोक सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और यूपी एसटीएफ की संयुक्त पूछताछ की तैयारी है। ईडी को शक है कि 100 करोड़ से अधिक के इस अवैध कारोबार में मनी लॉन्ड्रिंग के पुख्ता साक्ष्य मिल सकते हैं। उसकी बैंकिंग ट्रांजैक्शन, विदेश यात्रा और संपर्कों का ब्योरा खंगाला जाएगा। अमित टाटा की गिरफ्तारी के अगले ही दिन उसके साथ धनंजय सिंह के फोटो-वीडियो वायरल होने लगे।

एसकेडी एकेडमी का वार्षिक उत्सव प्रतिभा और गरिमा के भव्य प्रदर्शन के साथ संपन्न

लखनऊ(संवाददाता)। एसकेडी एकेडमी का शानदार वार्षिक उत्सव 2025 आज संपन्न हो गया, जिसने संस्थान की विभिन्न शाखाओं में सांस्कृतिक जीवंतता, शैक्षणिक समारोहों और छात्रों के शानदार प्रदर्शनों से भरे कई दिनों की पराकाष्ठा को चिह्नित किया। ग्रैंड फिनाले ने संस्थान की उस परंपरा को बनाए रखा, जिसमें यह आयोजन न केवल छात्रों की प्रतिभा का प्रदर्शन होता है, बल्कि गणमान्य सरकारी और सामाजिक हस्तियों तथा एसकेडी समूह के मुख्य नेतृत्व की उपस्थिति वाला एक महत्वपूर्ण सामुदायिक समारोह भी होता है। मनीष सिंह, निदेशक, एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन, ने अपनी सराहना व्यक्त करते हुए कहा यह वार्षिक उत्सव केवल एक वार्षिक समारोह नहीं हैय यह एसकेडी परिवार के भीतर निहित अपार क्षमता और सामूहिक भावना का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन है। अपने छात्रों को ऐसे जुनून, अनुशासन और रचनात्मकता के साथ प्रदर्शन करते देखना हमें अद्वितीय गौरव से भर देता है। हम एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहाँ प्रतिभा को पहचाना जाए, मूल्यों को बरकरार रखा जाए और हर छात्र को चमकने का एक मंच मिले। इस शानदार उपलब्धि के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई! निशा सिंह, उप निदेशक, और श्रीमती कुसुम बत्रा, सहायक निदेशक (शैक्षणिक), ने अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ और प्रशंसा व्यक्त की हम उन सभी छात्रों को अपना हार्दिक आशीर्वाद भेजते हैं जिन्होंने इस मंच को जीवंत कर दिया। आपकी ऊर्जा, उत्साह और कड़ी मेहनत इस उत्सव का दिल थे। हम इस वर्ष प्राप्त उच्च मानकों की वास्तव में सराहना और प्रशंसा करते हैं। मुख्य अतिथि रणवीर सिंह, प्रमुख सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, उ.प्र. डॉ. प्रदीप सिंह जेडी, संयुक्त शिक्षा निदेशक, 6वां मंडल, उ.प्र. मुख्य अतिथियों ने एसकेडी एकेडमी की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान छात्रों को शिक्षाविदों से परे अपनी क्षमता का पता लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रेरणादायक लघु नाटक, जीवंत नृत्य प्रस्तुतियाँ और संगीत कार्यक्रम शामिल थे, जिन्हें दर्शकों से भरपूर सराहना मिली। दोनों स्थानों पर वार्षिक उत्सव 2025 की सफलता, श्री एस.के.डी. सिंह जी, अध्यक्ष, एस.के.डी. ग्रुप, के मूलभूत दृष्टिकोण और संपूर्ण एकेडमी स्टाफ के समर्पित प्रयासों को दशार्ती है।

एलयू कैंपस में डिग्री कॉलेज की महिला शिक्षक फिसली, देर से पहुंची एम्बुलेंस

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय कैंपस में मंगलवार को हिंदी विभाग के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची करामात डिग्री कॉलेज की एक महिला शिक्षक अचानक फिसल कर गिर गई। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह उन्हें संभाला और अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस बुलाई गई। पर एम्बुलेंस पहुंचने में काफी समय लग गया।काफी देर बाद जब एम्बुलेंस पहुंची भी तो उसमें स्ट्रेचर नदारद थी। इसी मुद्दे पर बाद में छैन्‍ और युवजन छात्र सभा से जुडे स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रार को ज्ञापन भी सौंपा। छात्रों की मांग थी कि विश्वविद्यालय कैंपस में किसी भी आपातकालीन स्थिति में निपटने के लिए एम्बुलेंस समेत सभी व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए। दरअसल, मंगलवार को हिंदी विभाग के कार्यक्रम में करामात डिग्री कॉलेज की हिंदी विभाग की शिक्षक डॉ.बीना पांडेय अचानक फिसल कर गिर गई। इस दौरान वो अचेत हो गई। हालत बिगड़ती देख तत्काल एम्बुलेंस बुलाई गई। इस बीच काफी समय बीत जाने के बाद भी एम्बुलेंस न आने पर लोगों में आक्रोश दिखा। आधे घंटे बाद जब एम्बुलेंस मौके पर पहुंची तो महिला शिक्षक को एम्बुलेंस तक ले जाने के लिए उसमें स्ट्रैचर तक नहीं था। इसके बाद किसी तरह मौके पर मौजूद स्टाफ और स्टूडेंट्स ने महिला शिक्षक को उठाकर एम्बुलेंस तक ले गए। फिर उन्हें डॉक्टर के पास ले जाया गया। महिला शिक्षक की तबीयत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन एसआईआर की वजह से बौखलाये केशव

लखनऊ(संवाददाता)। उप-मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों ने मीडिया को संबोधित किया और मतदाता सूची संशोधन तथा एसआईआर प्रक्रिया पर विपक्ष को घेरा। कैबिनेट बैठक के बाद नेताओं ने मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया और विपक्षी दलों के रुख पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन एसआईआर की वजह से बौखला गए हैं, क्योंकि वे देश को लूटने की साजिश कर रहे थे। जबकि देश श्एसआईआरश का वेलकम कर रहा है। डिप्टी सीएम केशव मौर्या ने कहा की 2047 तक की कांग्रेस और कांग्रेस के सहयोगी का सत्ता में आने का सपना, सपना रह जाएगा। उन्होंने कहा मतदाता सूची संशोधन न रुकने वाला है और न रुकेगा। उन्होंने सपा और कांग्रेस पर बूथ लूटने का आरोप लगाया और कहा कि कोई भी घुसपैठिया मतदाता सूची में नहीं रहेगा। उन्होंने बीएलओ से विपक्ष के बहकावे में न आने की अपील की। वहीं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सपा और कांग्रेस झूठ का पुलिंदा फैला रही है। उन्होंने बूथों का हवाला देते हुए कहा कि अधिकारी अच्छे से काम कर रहे हैं और केवल स्वर्गवासी हो चुके लोगों के नाम कट रहे हैं, जिस पर विपक्ष को दिक्कत हो रही है।उन्होंने कहा कि जो लोग गांव से शहरों में पलायन कर गए हैं, उनका नाम एक जगह होना चाहिए और इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि जो बाहर के नागरिक हैं उन्हें निकाला जाना चाहिए।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को घुसपैठियों को बाहर करने के लिए बताया और कहा कि बिहार में कोई शिकायत नहीं आई।उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष का जिस तरह का रवैया है, पूरा देश देख रहा है। उधर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विपक्षी लोग नहीं चाहते हैं कि मतदाता सूची में संशोधन हो। उन्होंने संसद न चलने देने के लिए विपक्ष के रवैये को गैर जिम्मेदाराना बताया।

टोरेंट पावर कंपनी ने सरकार की योजना से किया किनारा

संघर्ष समिति की मांग फ्रेंचाइजी करार तत्काल निरस्त की जाय

लखनऊ(संवाददाता)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने बताया कि यह जानकारी मिली है कि टोरेंट पावर कंपनी द्वारा आगरा में बिजली बिल राहत योजना में उपभोक्ताओं को लाभ देने से मना किया जा रहा है। संघर्ष समिति के केन्द्रीय पदाधिकारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मांग की है कि पॉवर कारपोरेशन के बकाए की बड़ी धनराशि न देने, टोरेंट पावर कंपनी की कई अन्य अनियमितताओं को देखते हुए तथा अब उप्र सरकार द्वारा उपभोक्ताओं के हित में लाई गई बिजली बिल राहत योजना 2025 के तहत आगरा में उपभोक्ताओं को लाभ देने से मना करने पर टोरेंट पावर कंपनी का फ्रेंचाइजी करार तत्काल निरस्त किया जाय।संघर्ष समिति के आह्वान पर आज लगातार 370 वें दिन बिजली कर्मियों ने निजीकरण के विरोध में समस्त जनपदों में विरोध प्रदर्शन जारी रखा। संघर्ष समिति की निर्देश के अनुसार बिजली कर्मियों ने बिजली बिल राहत योजना 2025 में उपभोक्ताओं का सभी जनपदों में पूरा सहयोग किया।संघर्ष समिति ने बताया कि यह जानकारी मिली है कि टोरेंट पावर कंपनी ने दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम से यह कहा है कि बिजली बिल राहत योजना के तहत उपभोक्ताओं को मिलने वाली 25 प्रतिशत छूट की धनराशि पॉवर कारपोरेशन टोरेंट कंपनी को उपलब्ध कराए तब टोरेंट कंपनी बिजली बिल राहत योजना लागू करने को तैयार है अन्यथा की स्थिति में टोरेंट पावर कंपनी इस छूट को अपने खाते से नहीं देगी। संघर्ष समिति ने कहा कि यह बेहद गंभीर बात है और इससे निजी घरानों का उपभोक्ताओं के प्रति असहिष्णु दृष्टिकोण उजागर हो गया है। उप्र सरकार और मुख्यमंत्री द्वारा उपभोक्ताओं के हित में लाई गई बिजली बिल राहत योजना को मानने से मना करने वाली टोरेंट पावर कंपनी का फ्रेंचाइजी करार उपभोक्ताओं के व्यापक हित में तत्काल निरस्त किया ही जाना चाहिए। संघर्ष समिति ने कहा कि निजी कंपनी का उपभोक्ताओं के प्रति यह रवैया देखते हुए पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय उपभोक्ताओं के व्यापक हित में तत्काल निरस्त किया जाए। संघर्ष समिति ने कहा कि 01 अप्रैल, 2010 को जब आगरा की विद्युत वितरण व्यवस्था टोरेंट कंपनी को हैंडोवर की गई थी तब पावर कारपोरेशन का बिजली राजस्व का लगभग 2200 करोड रुपए बकाया था। फ्रेंचाइजी करार के अनुसार यह धनराशि टोरेंट कंपनी को वसूल कर पावर कारपोरेशन को देनी थी और पावर कॉरपोरेशन टोरेंट कंपनी को 10 प्रतिशत धनराशि इंसेंटिव के रूप में वापस करता। अब लगभग 16 साल गुजरने जा रहे हैं और टोरेंट पावर कंपनी ने एक पैसा भी नहीं दिया है। संघर्ष समिति ने कहा कि इसके अलावा भी टोरेंट पावर कंपनी करार की शर्तों का लगातार उल्लंघन कर रही है और टोरेंट पावर के करार में हुए घोटाले पर कैग ने भी अपनी रिपोर्ट दी है। इन सब बातों को देखते हुए अब समय आ गया है जब टोरेंट पावर कंपनी का फ्रेंचाइजी करार तत्काल निरस्त किया जाए।

संपादकीय

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं। इन अधिकारियों का आरोप है कि अतिरिक्त कार्य-दबाव का उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। वहीं चुनाव आयोग का आरोप है कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्रक्रिया की निष्पक्षता व पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। वैसे यदि वास्तव में बीएलओ पर अतिरिक्त दबाव है तो चुनाव आयोग को इस मुद्दे का समाधान संवेदनशील ढंग से करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर मतदाता पहचान से जुड़े प्रमाणपत्रों को जुटाने में आ रही परेशानियों के चलते लोग भी बीएलओ पर दबाव बनाते हैं। कई राज्यों में बीएलओ संगठनों ने प्रदर्शन करके अधिक समय दिए जाने की मांग भी की है। कुछ लोग चुनाव आयोग की जल्दबाजी को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि दो-तीन महीने का काम एक माह में पूरा नहीं किया जा सकता। वे समय पर दायित्व न निभा पाने वाले बीएलओ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को अनुचित बताते हैं।

प्राकृतिक आपदाएँ डर, दुख, और अनिश्चितता

> जीवन और संपत्ति के नुकसान के अलावा, लोग अपनी आजीविका खो देते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से भी जूझना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती है। यहॉ तापमान बढ़ा रहा है, बारिश को अनियमित कर रहा है, जिससे बाढ़ और सूखा आ रहा है। भूजल स्तर गिर रहा है और किसान कर्ज में डूब रहे हैं। पिछले कुछ समय से सर्दी, बारिश, गर्मी का मौसम अपने निर्धारित समय से ईतर आज जा रहा है। कितने दिन गर्मी, कितने दिन, सर्दी और कितने दिन बारिश होगी अब यह कोई निश्चित नही रहा। इसका असर भी प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने आ रहा है।सरकार ने कई योजनाएं बनाई हैं, लेकिन उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। ऐसे में त्वरित रूपपर्यावरण और रोजगार को साथ जोड़ना होगा। इसका हालियॉ उदाहरण श्रीलंका में दितवाह साइक्लोन ने भारी तबाही मचाई। इसका असर भारत आध्रपदेश और पुडुचेरी और तमिलनाडु में देखा गया।

प्रेम शर्मा

प्राकृतिक आपदाएँ डर, दुख, और अनिश्चितता की भावनाएँ पैदा करती हैं। दीर्घकालिक परिणामों में अभिघातज-पश्चात तनाव विकार जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ शामिल हो सकती हैं।सामाजिक अलगावरू आपदाएँ लोगों को उनके पारंपरिक सामाजिक नेटवर्क और समर्थन प्रणालियों से अलग कर सकती हैं, जिससे अलगाव की भावना बढ़ जाती है। जीवन और संपत्ति के नुकसान के अलावा, लोग अपनी आजीविका खो देते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से भी जूझना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती है। यहॉ तापमान बढ़ा रहा है, बारिश को अनियमित कर रहा है, जिससे बाढ़ और सूखा आ रहा है। भूजल स्तर गिर रहा है और किसान कर्ज में डूब रहे हैं। पिछले कुछ समय से सर्दी, बारिश, गर्मी का मौसम अपने निर्धारित समय से ईतर आज जा रहा है। कितने दिन गर्मी, कितने दिन, सर्दी और कितने दिन बारिश होगी अब यह कोई निश्चित नही रहा। इसका असर भी प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने आ रहा है।सरकार ने कई योजनाएं बनाई हैं, लेकिन उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। ऐसे में त्वरित रूपपर्यावरण और रोजगार को साथ जोड़ना होगा। इसका हालियॉ उदाहरण श्रीलंका में दितवाह साइक्लोन ने भारी तबाही मचाई। इसका असर भारत आध्रपदेश और पुडुचेरी और तमिलनाडु में देखा गया। चक्रवाती तुफान सेन्यार और दितवाह ने दक्षिणपूर्व एशिया के कई देशों में हाल के वर्षों की सबसे विनाशकारी बाढ़ ला दी। श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम, थाईलेण्ड और मलेशिया में लाखों लोग आपदा से प्रभावित हो चुके है। 21वीं सदी में मानव सभ्यता के सामने जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन करोड़ों लोगों के जीवन को सीधे प्रभावित कर रहा है। गरीबी अब केवल आय की कमी नहीं रही, इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, ऊर्जा, आवास और जल जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी भी शामिल है। भारत आज जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर प्रभावों का सामना कर रहा है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, बार-बार आने वाली बाढ़ और सूखा अब सामान्य हो चुके हैं। सबसे चौकाने वाला तथ्य यह कि भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बीते दो दशकों में भारत का औसत तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा है। यह मामूली आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवन और जीविका, दोनों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।वैसे भी भारत के लगभग 60 प्रतिशत जिले किसी न किसी रूप में जलवायु संवेदनशील क्षेत्र घोषित किए जा चुके हैं। बुंदेलखंड, विदर्भ, मराठवाड़ा, राजस्थान, बिहार और झारखंड जैसे क्षेत्र लगातार सूखे और जल संकट से जूझ रहे हैं। वहीं, उत्तराखंड और हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य अतिवृष्टि और भूस्खलन से प्रभावित हैं। एक तरफ किसान की फसलें सूखे में झुलस जाती हैं, दूसरी ओर असम और बिहार में

बाढ़ सब कुछ बहा ले जाती है। दूसरी तरफ देश के 60 प्रतिशत से अधिक जिलों में भूजल स्तर लगातार गिरावट पर है। महाराष्ट्र का विदर्भ, कर्नाटक का उत्तरी भाग, मध्य प्रदेश का बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र, बिहार-झारखंड के पठारी इलाके - सभी जल संकट से जूझ रहे हैं। राजस्थान और हरियाणा के कई हिस्सों में जल स्तर 10 से 20 मीटर तक नीचे चला गया है। जलवायु परिवर्तन के कारण ही पिछले कुछ समय से उत्तराखंड, हिमाचल और उत्तर-पूर्वी राज्यों में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। दूसरी तरफ 16 प्रतिशत अधिक अतिवृष्टि दर्ज की गई, जिससे कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति देखी जा रही है।जलवायु परिवर्तन के चलते नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भारत में करीब 23 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी में जी रहे हैं। इनमें से अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। जो कृषि पर निर्भर है। क्योकि हर साल फसल नष्ट होने, सिंचाई की कमी और जलवायु अस्थिरता के कारण किसान कर्ज के चक्र में फंस रहे हैं। विश्व बैंक का मानना है कि यदि जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो 2030 तक भारत की 5 प्रतिशत आबादी और गरीबी रेखा के नीचे जा सकती है। भारत सरकार ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नैशनल एक्शन प्लान ऑन क्लाइमेट चेंज, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा मिशन और जलवायु-सहनशील कृषि नीतियों जैसी कई पहल की हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य का संदेश देकर वैश्विक सहयोग की दिशा में नेतृत्व भी किया है। लेकिन, इन योजनाओं के साथ दिक्कत ये है कि इन पर बहुत अधिक पैसा खर्च हो रहा है। कई बार यह पैसा केवल संरचनात्मक या औपचारिक खर्चों में चला जाता है। यहॉ गोर तलब है कि वर्तमान में भारत की 60 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। उसे जलवायु बजट का एक बड़ा हिस्सा युवाओं के रोजगार, कौशल विकास और स्थानीय आजीविका संसाधन निर्माण पर केंद्रित करना चाहिए था। पर्यावरण की रक्षा और रोजगार सृजन को एक साथ जोड़ने की जरूरत है - जैसे जल संरक्षण, सोलर ऊर्जा, हरित कृषि, जल-प्रबंधन और वनीकरण के क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करना। इससे जलवायु संकट से मुकाबला आसान होगा होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिलेगी। यही नही स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन, टिकाऊ कृषि, रोजगार सुरक्षा और सामुदायिक जागरूकता को प्राथमिकता दिए बिना जलवायु संकट और गरीबी के दोहरे जाल से निकलना मुश्किल है। समाज में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। हमें सत्त पोषणीय विकास की ऐसी परिकल्पना करनी होगी, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक समानता और सामाजिक न्याय तीनों का संतुलन बना रहे। सरकार को समझना होगा कि जलवायु योजनाओं पर बढ़ता बजट तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।प्राकृतिक आपदा से जूझते लोग शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरते हैं, जिसमें जीवन, घर और आजीविका का नुकसान शामिल है।इस तरह की आपदाएँ अक्सर लोगों को भय, दुख और अनिश्चितता की स्थिति में डाल देती हैं, जिससे सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। ऐसे में, तुरंत मदद पाने और दीर्घकालिक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आवश्यक है। शारीरिक नुकसानरू लोग अपनी जान, मवेशी और फसल खो देते हैं। क्षतिग्रस्त घर और इमारतें जीवन को और भी कठिन बना देती हैं। यहॉ एक बॉत और गौर करने वाली है कि जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदाओं से निपटने के लिए दीर्घकालीन योजनाओं पर जमीनी स्तर पर प्रयास की प्रक्रिया सत्त जारी रखनी होगी।

एसआईआर की समय सीमा में संशोधन

> विपक्ष की यह आपत्ति तब और महत्वपूर्ण हो गई जब बूथ स्तर के अधिकारियों पर अत्यधिक दबाव के कारण यह प्रक्रिया जानलेवा तक बन गई। बीएलओ को कम समय में घर-घर जाकर इस बड़े काम को पूरा करने के लिए भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है, यह कटु सत्य है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से बीएलओ द्वारा आत्महत्या से मौतें भी सामने आई हैं।गौरतलब है कि ज्यादातर बीएलओ स्कूल शिक्षक या सरकारी कर्मचारी हैं। एक बीएलओ को औसतन हजार से बारह सौ मतदाताओं तक पहुंचना पड़ रहा है। घर-घर जाकर फॉर्म बांटना, इकत्रा करना और फिर उनका डिजिटाइजेशन करना दुसाध्य और लंबी प्रक्रिया है, जिसे पूरा करते-करते बीएलओ का दैनंदिन जीवन प्रभावित हो रहा है। बहुत से बीएलओ इस वजह से बीमार पड़ चुके हैं, किसी-किसी की मौत पर उनके परिजनों ने एसआईआर के दबाव को ही जिम्मेदार ठहराया है। कई जगहों पर आरोप है कि लक्ष्य पूरा न करने पर बीएलओ को नौकरी से निकालने, वेतन काटने या प्राथमिकी दर्ज करने की धमकियां भी मिली हैं। बंगाल में खुदकुशी करने वाली बीएलओ रिंकू तरफदार ने लिखा था कि उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण नहीं मिला। पुरानी वेबसाइट से डेटा नहीं मिला। ऑनलाइन फॉर्म जटिल प्रक्रिया है। ऐसे कुछ और प्रकरण भी सामने आए हैं। इन वजहों से प.बंगाल में तो चुनाव आयुक्त कार्यालय के बाहर धरना देने तक की नौबत आ गई।

देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम यानी एसआईआर की समय सीमा एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी गई है। पहले निर्वाचन आयोग ने इसके लिए अंतिम तारीख 4 दिसम्बर रखी थी, लेकिन अब 11 दिसम्बर तक प्रक्रिया चलेगी। आयोग ने रविवार 30 नवंबर को तीन-पेज के आदेश में यह घोषणा की है। संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक अब गणना अवधि 4 दिसम्बर की बजाय 11 दिसम्बर को समाप्त होगी। मसौदा सूची का प्रकाशन 9 की जगह 16 दिसम्बर को होगा और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 14 फरवरी को किया जाएगा।गौरतलब है कि विपक्ष शुरू से इस सवाल को उठा रहा है कि एसआईआर करवाने की इतनी हड़बड़ी क्यों है। अगर आयोग ने इसे पूरे देश में करवाने का फैसला लिया भी है तो इसके लिए पर्याप्त मानव संसाधन, प्रशिक्षण और वक्त लिया जाना चाहिए। चंद दिनों में इतनी गहन प्रक्रिया को यूं निपटाया नहीं जा सकता। विपक्ष की यह आपत्ति तब और महत्वपूर्ण हो गई जब बूथ स्तर के अधिकारियों पर अत्यधिक दबाव के कारण यह प्रक्रिया जानलेवा तक बन गई। बीएलओ को कम समय में घर-घर जाकर इस बड़े काम को पूरा करने के लिए भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है, यह कटु सत्य है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से बीएलओ द्वारा आत्महत्या से मौतें भी सामने आई हैं।गौरतलब है कि ज्यादातर बीएलओ स्कूल शिक्षक या सरकारी कर्मचारी हैं। एक बीएलओ को औसतन हजार से बारह सौ मतदाताओं तक पहुंचना पड़ रहा है। घर-घर जाकर फॉर्म बांटना, इकत्रा करना और फिर उनका डिजिटाइजेशन करना दुसाध्य और लंबी प्रक्रिया है, जिसे पूरा करते-करते बीएलओ का दैनंदिन जीवन प्रभावित हो रहा है। बहुत से बीएलओ इस वजह से बीमार पड़ चुके हैं, किसी-किसी की मौत पर उनके परिजनों ने एसआईआर के दबाव को ही जिम्मेदार ठहराया है। कई जगहों पर आरोप है कि लक्ष्य पूरा न करने पर बीएलओ को नौकरी से निकालने, वेतन काटने या प्राथमिकी दर्ज करने की धमकियां भी मिली हैं। बंगाल में खुदकुशी करने वाली बीएलओ रिंकू तरफदार ने लिखा था कि उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण नहीं मिला। पुरानी वेबसाइट से डेटा नहीं मिला। ऑनलाइन फॉर्म जटिल प्रक्रिया है। ऐसे कुछ और प्रकरण भी सामने आए हैं। इन वजहों से प.बंगाल में तो चुनाव आयुक्त कार्यालय के बाहर धरना देने तक की नौबत आ गई।ये सामान्य घटनाएं नहीं हैं, क्योंकि एक संवैधानिक प्रक्रिया को असामान्य तरीके से लागू किया गया है। विपक्ष का कहना है कि 2003 में भी एसआईआर हुआ था, लेकिन तब ऐसी कोई घटना नहीं हुई। अब हो रही है, तो जाहिर है व्यवस्था में कोई खामी है। विपक्ष लगातार इसे टालने या ज्यादा समय की मांग कर रहा था। अब इस पर चुनाव आयोग ने एक सप्ताह बढ़ाया है। आयोग ने समय सीमा बढ़ाने का बचाव करते हुए कहा कि यह विस्तार चुनाव अधिकारियों को मतदाताओं की मसौदा सूची प्रकाशित करने के लिए अतिरिक्त समय देने के लिए किया गया है। इसे कहते हैं रस्सी जल गई बल नहीं गए। वैसे एक सप्ताह बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। कम से कम 3 से 5 महीने बढ़ाकर इत्मीनान से काम किया जाता तो शायद ऐसी पुख्ता मतदाता सूची तैयार होती, जिसमें गड़बड़ी की गुंजाइश नाममात्र की बचती।ध्यान रहे कि छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, पुड्डुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप इन 12 राज्यों में एसआईआर हो रही है। जिसमें 51 करोड़ मतदाताओं के नामों, पतों, उम्र आदि की जांच हो रही है। यानी इस समय 51 करोड़ मतदाताओं का हक एसआईआर पर टिका है। चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य श्कोई योग्य मतदाता बाहर न रहे और कोई अयोग्य नाम न रहेश सुनिश्चित करना है। लेकिन विपक्षी दल इसे श्वोट चोरीश का हथियार मानते हैं। बिहार चुनाव के बाद ये आरोप और तेज हो चुके हैं। बिहार चुनाव से पहले ही एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। लेकिन बिहार चुनाव हो भी गए और सुप्रीम कोर्ट ने कोई अंतिम फैसला नहीं सुनाया। अब अगले चुनाव पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम हैं। और सुप्रीम कोर्ट में बस सुनवाई ही चल रही है।इस बीच महाराष्ट्र में नगरीय निकाय चुनाव से पहले पता चला है कि मुंबई में करीब 11 लाख मतदाता डुप्लीकेट हैं। ये आंकड़े राज्य चुनाव आयोग से ही मिले हैं। जो कुल मतदाताओं का करीब 10.64प्रतिशत हिस्सा माने जा रहे हैं।

भारत की विविधता में एकता और चुनौतियों को अवसर बदलने की निपूर्णता ने भारत को अग्रणी प्रकाश स्तंभ बनाया

> भारत वह भूमि है जहाँ सात सौ से अधिक भाषाएँ, बीस हजार से अधिक बोलियाँ, अनेक धर्म, पंथ, समुदाय, विविध वस्त्र, विविध भोजन, विविध पर्व और विविध संस्कृतियों का महासागर मौजूद है, परंतु फिर भी इन सभी विविध धाराओं को एक सशक्त राष्ट्र-चेतना में बाँधने वाली सत्ता हैकृएकता की अदृश्य परंतु अटूट डोर। यही एकता भारत की आत्मा है, यही उसके अस्तित्व की पहचान है और यही संघर्षों में उसकी शक्ति बनकर उभरती रही है। इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब संकट आया, जब-जब विदेशी आक्रमणकारी आए, जब-जब विभाजनकारी शक्तियों ने इस राष्ट्र की जड़ों को हिलाने का प्रयास किया, तब भारत ने टूटने के बजाय और अधिक मजबूत होकर उठना सीखा। स्वतंत्रता के बाद जब नवनिर्माण की चुनौती सामने थी, तब अनेक विदेशी विशेषज्ञों ने यह भविष्यवाणी की थी कि इतनी विविधताओं वाला देश पाँच-दस वर्षों में टूट जाएगा, लेकिन भारत ने यह सिद्ध किया कि इसकी विविधता विभाजन नहीं, सामर्थ्य हैय इसकी बहुलता अस्थिरता नहीं, बल्कि प्रगति का आधार है। संविधान निमार्ताओं ने ऐसा लोकतांत्रिक ढाँचा तैयार किया जिसमें विचारों का सम्मान, धर्मनिरपेक्षता, समान अधिकार, भाषाई और सांस्कृतिक स्वतंत्रता और नागरिक सम्मान का अद्भुत संतुलन दिखाई देता है। इसी लोकतांत्रिक शक्ति ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सशक्त लोकतंत्र बनाया। आज जब विश्व के कई बड़े देशों में सामाजिक तनाव और राजनीतिक अस्थिरता है, तब भारत में 145 करोड़ नागरिकों का एक लक्ष्य, एक दिशा और एक ध्येय हैकृविकास और वैश्विक नेतृत्व। चुनौतियों को अवसर में बदलने की भारत की क्षमता का सबसे बड़ा उदाहरण कोरोना महामारी रही। जब विश्व की महाशक्तियाँ स्वास्थ्य संकट से टूट रही थीं, तब भारत ने न केवल सबसे बड़े वैक्सीनेशन अभियान को सफल बनाया, बल्कि 100 से अधिक देशों को वैक्सीन भेजकर मानवता का धर्म निभाया।

संजीव ठाकुर

भारत की विविधता में एकता और चुनौतियों को अवसर में बदलने की अद्भुत निपुणता ने आज भारत को विश्व शक्ति के शिखर पर स्थापित कर दिया है, यही कारण है कि विश्व समुदाय भारत को केवल एक भूगोल, विशाल जनसंख्या या बाजार के रूप में नहीं देख रहा, बल्कि उसे एक जीवंत सभ्यता, विचार, संस्कृति, तकनीकी क्षमता और आर्थिक परिवर्तन के अद्वितीय मॉडल के रूप में समझने लगा है। भारत वह भूमि है जहाँ सात सौ से अधिक भाषाएँ, बीस हजार से अधिक बोलियाँ, अनेक धर्म, पंथ, समुदाय, विविध वस्त्र, विविध भोजन, विविध पर्व और विविध संस्कृतियों का महासागर मौजूद है, परंतु फिर भी इन सभी विविध धाराओं को एक सशक्त राष्ट्र-चेतना में बाँधने वाली सत्ता हैकृएकता की अदृश्य परंतु अटूट डोर। यही एकता भारत की आत्मा है, यही उसके अस्तित्व की पहचान है और यही संघर्षों में उसकी शक्ति बनकर उभरती रही है। इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब संकट आया, जब-जब विदेशी आक्रमणकारी आए, जब-जब विभाजनकारी शक्तियों ने इस राष्ट्र की जड़ों को हिलाने का प्रयास किया, तब भारत ने टूटने के बजाय और अधिक मजबूत होकर उठना सीखा। स्वतंत्रता के बाद जब नवनिर्माण की चुनौती सामने थी, तब अनेक विदेशी विशेषज्ञों ने यह भविष्यवाणी की थी कि इतनी विविधताओं वाला देश पाँच-दस वर्षों में टूट जाएगा, लेकिन भारत ने यह सिद्ध किया कि इसकी विविधता विभाजन नहीं, सामर्थ्य हैय इसकी बहुलता अस्थिरता नहीं, बल्कि प्रगति का आधार है। संविधान निमार्ताओं ने ऐसा लोकतांत्रिक ढाँचा तैयार किया जिसमें विचारों का सम्मान, धर्मनिरपेक्षता, समान अधिकार, भाषाई और सांस्कृतिक स्वतंत्रता और नागरिक सम्मान का अद्भुत संतुलन दिखाई देता है। इसी लोकतांत्रिक शक्ति ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सशक्त लोकतंत्र बनाया। आज जब विश्व के कई बड़े देशों में सामाजिक तनाव और राजनीतिक अस्थिरता है, तब भारत में 145 करोड़ नागरिकों का एक लक्ष्य, एक दिशा और एक ध्येय हैकृविकास और वैश्विक नेतृत्व। चुनौतियों को अवसर में बदलने की भारत की क्षमता का सबसे बड़ा उदाहरण कोरोना महामारी रही।

जब विश्व की महाशक्तियाँ स्वास्थ्य संकट से टूट रही थीं, तब भारत ने न केवल सबसे बड़े वैक्सीनेशन अभियान को सफल बनाया, बल्कि 100 से अधिक देशों को वैक्सीन भेजकर मानवता का धर्म निभाया। इसी तरह प्राकृतिक आपदाओं, सीमाई चुनौतियों, और आंतरिक सामाजिक तनावों के समय भारत ने संयम, धैर्य और सामूहिक सहयोग से समाधान खोजने की विलक्षण परंपरा दिखाई। वर्तमान में भारत की उपलब्धियाँ यह प्रमाणित करती हैं कि यह राष्ट्र केवल संघर्षों से जूझता नहीं, बल्कि उनसे चमकता है। चंद्रयान-3 की अभूतपूर्व सफलता, गगनयान और सूर्ययान मिशन, डिजिटल इंडिया के कारण विश्व में सबसे अधिक डिजिटल लेनदेन करने वाला देश, स्टार्टअप इंडिया के कारण सातवीं सबसे बड़ी स्टार्टअप अर्थव्यवस्था, जी-20 में भारत की अध्यक्षता और अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनाकर वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व, रक्षा और तकनीक में आत्मनिर्भरता, और 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की तेज गतिकृये सब इस बात के प्रमाण हैं कि भारत केवल परिवर्तन नहीं, बल्कि नवोन्मेष का प्रतीक बन चुका है। आज विश्व यह मान चुका है कि भारत की शक्ति उसके हथियारों या आर्थिक संसाधनों में ही नहीं, बल्कि उसके सामाजिक सद्भाव, सहिष्णुता, आध्यात्मिक संस्कृति, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में निहित है। भारत की एकता मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों, चर्चों, बौद्ध विहारों के बीच संतुलन के मंत्र से नहीं, बल्कि वसुधैव कुटुम्बकम्कृविश्व एक परिवार है की भावना से संचालित होती है। यही कारण है कि जब कोई शक्ति भारत को जाति, धर्म या भाषा के नाम पर बाँटने का प्रयास करती है, तब भारतीय समाज अपनी परंपरा के अनुरूप और अधिक दृढ़ होकर खड़ा हो जाता है और कहता है कि हम पहले भारतीय हैं, उसके बाद कुछ और यही वह आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना है जिसने भारत को केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि शक्ति और आशा का प्रकाश स्तंभ बना दिया है। यही वह दिव्य तेज है जिसने भारत को अग्रणी बनाया है उज्ज्वल, तेजस्वी, प्रखर, अजेय और जगत को दिशा देने वाला। आने वाला समय निर्विवाद रूप से भारत का समय है, और आने वाली सदी भारत की सदी होगी, क्योंकि यह देश हर चुनौती को अवसर और हर संघर्ष को विजय में बदलना जानता है। यही भारत की पहचान है, यही भारत का गौरव है, और यही वह ऊर्जा है जो भारत को विश्व गुरु बनाकर उभार रही है।

मैदान पर वापसी कर चमके हार्दिक पांड्या अर्धशतकीय पारी से बड़ौदा को दिलाई पंजाब पर जीत

हैदराबाद। एलीट ग्रुप सी के मुकाबले में पंजाब का मंगलवार को बड़ौदा से सामना हुआ। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब की टीम ने अभिषक शर्मा और अनमोलप्रीत सिंह की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 222 रन बनाए। जवाब में बड़ौदा ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 224 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या लगभग तीन महीने बाद मैदान पर वापसी करने में कामयाब हुए। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा के लिए नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली और टीम को पंजाब पर सात विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। बड़ौदा ने पंजाब को सात विकेट से हराया एलीट ग्रुप सी के मुकाबले में पंजाब का मंगलवार को बड़ौदा से सामना हुआ। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब की टीम ने अभिषक शर्मा और अनमोलप्रीत सिंह की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 222 रन बनाए।

ईडी के सामने पेश हुईं अभिनेत्री नेहा शर्मा

ऑनलाइन बेटिंग एप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में होगी पूछताछ

उर्वशी रौतेला, सोनू सूद के बाद अब अभिनेत्री नेहा शर्मा ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के रडार पर हैं। अभिनेत्री आज ईडी मुख्यालय में पेश हुई हैं, जहां ऑनलाइन बेटिंग एप केस में उनसे पूछताछ होनी है।

मॉडल और अभिनेत्री नेहा शर्मा आज मंगलवार को नई दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुख्यालय में पेश हुईं। नेहा शर्मा को ईडी ने ऑनलाइन बेटिंग एप केस में पूछताछ के लिए बुलाया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि नेहा शर्मा मंगलवार को ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म 1७झी३ से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट के सामने पेश हुईं। बयान किया जा रहा रिकॉर्ड अधिकारी के मुताबिक, '38 वर्षीय अभिनेत्री नेहा शर्मा का बयान प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (ढटछअ) के नियमों के तहत रिकॉर्ड किया जा रहा है। माना जा रहा है कि नेहा शर्मा कुछ एंडोर्समेंट के जरिए बेटिंग प्लेटफॉर्म से जुड़ी हुई हैं। फेडरल जांच एजेंसी ने पहले इसी मामले में पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन और सुरेश रैना से इसी तरह पूछताछ के बाद उनकी 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी। पिछले सप्ताह नेहा शर्मा को किया गया था तलब सट्टेबाजी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नेहा शर्मा से पहले उर्वशी रौतेला, सोनू सूद, सुरेश रैना, शिखर धवन से भी पूछताछ हो चुकी है। इनके बाद अब नेहा शर्मा ईडी के रडार पर हैं। पिछले सप्ताह नेहा को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के द्वारा पूछताछ का समन भेजा गया। उन्हें 02 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। बिना अनुमति संचालित हो रहा था एप ईडी के मुाबिक 1७झी३ भारत में बिना अनुमति ऑपरेट हो रहा था। सोशल मीडिया और ऑनलाइन वीडियो के जरिए भारतीय यूजर्स को टारगेट करने के लिए सरोगेट ब्रांडिंग और एडवर्टाइजमेंट का इस्तेमाल करता था। ईडी ने कहा, 'एंडोर्समेंट के लिए पेमेंट, फंड के गैर-कानूनी सोर्स को छिपाने के लिए विदेशी बिचौलियों का इस्तेमाल करके लेयर्ड ट्रांजैक्शन के जरिए किए गए थे'। बता दें कि केंद्र सरकार हाल ही में भारत में ऑनलाइन गेमिंग पर बैन लगाने के लिए एक कानून लाई है।

प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंचे एक्टर राजपाल यादव, खुद को बताया श्रीकृष्ण का मनसुखा, बाबा की भी निकल गई हंसी

राधारानी के परम भक्त प्रेमानंद जी महाराज की पूरी दुनिया दीवानी है। आम लोगों के साथ-साथ बॉलीवुड सेलेब्स भी महाराज के बड़े भक्त हैं और अक्सर उनकी शरण में जाते नजर आते हैं। वहीं, अब हाल ही में कॉमेडी के किंग एक्टर राजपाल यादव वृंदावन पहुंचे और प्रेमानंद जी महाराज से आशीर्वाद लिया। बाबा की शरण में पहुंचे एक्टर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। राजपाल यादव को पहले प्रेमानंद जी महाराज के पास जाते हुए देखा गया। फिर वो नीचे बैठ जाते हैं और कुछ ऐसा कहते हैं कि महाराज जी ठहाके मारकर हंसने लगते हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि राजपाल यादव प्रेमानंद महाराज को झुककर प्रणाम करते हैं और कहते हैं, आज ठीक हूं। मैं बहुत कुछ बोलना चाहता था लेकिन अब कुछ आ ही नहीं रहा है। एक पागलपन जैसी गलतफहमी मानकर बैठ गए कि द्वापर हुआ है, कृष्णा जी हुए हैं, सब ग्वाला हुए हैं और मुझे लगता है मनसुखा मैं ही था। राजपाल यादव आगे कहते हैं, श्ये पागलपन मैं रखना चाहता हूं। महाराज जी ठहाके मारकर हंसते हैं और कहते हैं- ये जरूर रखना। पूरे भारत को हंसाने वाले आप हो, बिल्कुल रखना। फिर वो कहते हैं कि वो खुद को मनसुखा ही बोलते हैं। इसके बाद राजपाल यादव एक मंत्र सुनाते हैं जो उन्हें पूरा याद है। महाराज जी भी उन्हें नामजप करने को कहते हैं। राजपाल यादव कहते हैं कि उनका जीवन धन्य हो गया है। काम की बात करें तो राजपाल यादव को आखिरी बार 2024 में फिल्म बेबी जॉन में देखा गया था, जिसमें वरुण धवन, जैकी श्रॉफ, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी जैसे स्टार्स नजर आए थे। अब जल्द ही राजपाल यादव वेलकम फ्रैंचाइजी के तीसरे सीक्वल, वेलकम टू द जंगल में दिखाई देंगे।

गौरी का हाथ थामे एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए आमिर खान, गर्लफ्रेंड संग दिखी कमाल की बॉन्डिंग

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान अपनी निजी जिंदगी को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दो तलाकों के बाद एक्टर इन दिनों गौरी स्प्रैट को डेट कर रहे हैं। आमिर ने हाल ही में अपने इस रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया था, जिसके बाद से दोनों को कई बार एक साथ देखा गया है। वहीं, हाल ही में फिर कपल को मुंबई एयरपोर्ट पर एक साथ स्पॉट किया गया, जहां कपल ने मीडिया के लिए कैंडिड पोज भी दिए। आमिर और गौरी जैसे ही एयरपोर्ट पहुंचे, दोनों ने हाथ थामे पैपराजी के सामने पोज दिए। उनकी केमिस्ट्री देखकर फैंस भी काफी एक्साइटेड नजर आए। गौरी स्प्रैट के लुक की बात करें तो इस दौरान वह बेहद सिंपल और मॉडर्न अंदाज में दिखाई दीं। उन्होंने प्रिंटेड शर्ट के साथ डेनिम जींस पहनी। लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने शूज, मैचिंग हैंडबैग और साइड में चोटी बनाई। पूरे आउटफिट के साथ उनका मिनिमल मेकअप और नेचुरल स्टाइल उन्हें और भी खूबसूरत दिखा रहा था। वहीं, आमिर खान हमेशा की तरह बिल्कुल सहज और सिंपल लुक में नजर आए। उन्होंने ग्रे टी-शर्ट और ब्लैक पैंट पहनी। साथ ही चेहरे पर चश्मा उनका क्लासी टच बढ़ाता दिखा। आमिर और गौरी दोनों का ये अंदाज उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। फिल्मों की बात करें तो आमिर खान को हाल ही में रिलीज हुई फिल्म सितारे जमीन परमें देखा गया था। इस फिल्म में आमिर के अभिनय को दर्शकों ने काफी सराहा। वहीं, उनके नए प्रोजेक्ट की अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

चामुंडा देवी को भूत कहने पर रणवीर सिंह ने मांगी माफी, विवाद पर पेश की सफाई- मेरा इरादा ऋषभ की तारीफ करना था

एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धुरंधर को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बीच उनकी कांतारा एक्टर ऋषभ शेट्टी का मजाक उड़ाने और चामुंडा देवी की नकल करने के लिए खूब आलोचना हो रही है। पर उनकी खूब आलोचना हो रही है। वीडियो वायरल होने के बाद एक्टर के खिलाफ शिकायत भी दर्ज हो चुकी हैं। वहीं, हाल ही में मामला बढ़ता देख रणवीर सिंह ने इस विवाद पर अपनी सफाई पेश की है और माफी भी मांगी है। रणवीर सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर सफाई दी कि उनका इरदा सिर्फ एक्टर ऋषभ शेट्टी की तारीफ करना था। वो देश की हर संस्कृति और परंपरा का सम्मान करते हैं। फिर भी अगर किसी की भावना को ठेस पहुंची है तो वो दिल से माफी मांगते हैं। रणवीर सिंह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा-मेरा इरदा फिल्म में ऋषभ की जबरदस्त परफॉर्मेंस को हाइलाइट करना था। हर एक्टर को पता है कि उस सीन को जिस तरह से उन्होंने किया, उसे करने में कितना समय लगेगा, जिसके लिए मैं उनकी बहुत तारीफ करता हूं। रणवीर ने आगे लिखा, मैंने हमेशा अपने देश की हर संस्कृति, परंपरा और विश्वास का बहुत सम्मान किया है। अगर मैंने किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, तो मैं दिल से माफी मांगता हूं। दरअसल, हाल ही में रणवीर सिंह गोवा में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए। यहां पर उन्होंने स्टेज पर ऋषभ शेट्टी की कांतारा चौप्टर 1 का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनकी परफॉर्मेंस बहुत अच्छी थी। खासकर जब उनके अंदर फीमेल घोस्ट आ जाती है। दरअसल, फिल्म में उस सीन में ऋषभ के अंदर चामुंडा देवी आती हैं।

'सैयारा' की रिलीज से पहले अहान पांडे ने अनन्या को बताया था सीक्रेट, शाहरुख खान ने दी थी एक्टिंग की ये टिप्स

अनन्या पांडे ने अपने कजिन अहान पांडे के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया है कि शाहरुख खान ने उन्हें कौन सी टिप्स दी थी।

इस साल दो नए कलाकारों की फिल्म 2025 में बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही। हम बात कर रहे हैं 'सैयारा' की, जिसका निर्देशन मोहित सूरी ने किया। इस फिल्म ने पूरे देश के दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म के कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा रातोंरात स्टार बन गए। लेकिन क्या आपको पता है कि अहान पांडे डेब्यू से पहले काफी नर्वस थे? इस बारे में उन्होंने अनन्या पांडे को बताया भी था। अहान के बारे में क्या बोलीं अनन्या? हाल ही में अनन्या पांडे इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट (IFP) में शामिल हुईं। उन्होंने यहां 'सैयारा' की रिलीज से पहले अहान पांडे के साथ हुई बातचीत के बारे में बताया। अनन्या ने कहा 'मेरे भाई अहान की फिल्म 'सैयारा' के बारे में कोई नहीं जानता था। किसी को यह भी नहीं पता था कि यह फिल्म आ रही है। अहान को कोई नहीं जानता था। अनीत को कोई नहीं जानता था। मुझे याद है कि फिल्म के आने से 3-4 दिन पहले मेरी अहान से क्या बात हुई थी। अहान कह रहा था मुझे नहीं पता क्या होगा। मैं उम्मीद करता हूं लोग मेरी फिल्म देखेंगे। मैं कह रही थी कि लोग फिल्म देखेंगे। पहले दिन इसने 22 करोड़ कमाए, जो कि काफी अच्छा कलेक्शन था।' शाहरुख खान ने अनन्या को दी टिप्स अनन्या ने बताया कि शाहरुख खान ने उनको एक्टिंग की टिप्स दी। उन्होंने कहा 'शाहरुख खान ने एक बार मुझसे कहा था कि जब कोई सीन हो जिसमें कोई मर जाता है या ऐसा ही कुछ होता है, तो यह सोचने के बजाय कि वह व्यक्ति मर गया है, यह सोचो कि उसके बिना जिंदगी कैसी होगी। जैसे कि जिंदगी चल रही लेकिन वह इंसान यहां नहीं है। या उस इंसान के साथ बिताए खुशी के पलों के बारे में सोचना और वो आपको दुखी कर देगा।'

एमएफ हुसैन के साथ अपनी दोस्ती को माधुरी ने किया याद, फिल्म 'देवदास' का भी सुनाया किस्सा

दिग्गज अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने हाल ही में एक इंटरव्यू में चित्रकार एमएफ हुसैन के साथ अपनी दोस्ती और फिल्म देवदास की शूटिंग के किस्सों को साझा किया है। इसके अलावा उन्होंने कई पहलुओं पर भी बात की है। भारतीय सिनेमा की चमकती दुनिया में कई रिश्ते ऐसे बनते हैं जो शोहरत और समय से परे होते हैं। सुपरस्टार माधुरी दीक्षित और मशहूर चित्रकार एमएफ हुसैन के बीच की दोस्ती भी ऐसी ही एक अनकही, अनोखी कहानी है, जिसे उन्होंने हाल ही में बड़े भावुक अंदाज में याद किया। एएनआई से बातचीत करते हुए माधुरी ने एमएफ हुसैन के साथ अपनी दोस्ती को याद किया। मां बनने के सफर को देखने अमेरिका पहुंचे थे हुसैन माधुरी दीक्षित ने इंटरव्यू में कहा कि जब वह डेनवर (अमेरिका) में रहती थीं, तब हुसैन साहब ने अचानक उन्हें फोन किया। उन्होंने कहा- 'तुम्हें एक कलाकार, एक स्टार और एक पत्नी के रूप में देख लियाङ्घ अब तुम्हें मां के रूप में देखना चाहता हूं।' इतना कहकर वो हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर अमेरिका पहुंच गए, सिर्फ इसलिए कि माधुरी को उनके बच्चों के साथ, एक नई भूमिका निभाते हुए देख सकें। 'तारीफ या आलोचना करने में हिचकिचाते नहीं थे' माधुरी दीक्षित ने बताया कि हुसैन साहब कभी उनकी तारीफ या आलोचना करने में हिचकिचाते नहीं थे। उन्होंने कहा- 'वो अक्सर कहते थे कि ये सीन बहुत अच्छा था और कभी साफ-साफ बोल देते ये मुझे खास नहीं लगा।' एक बार माधुरी ने उनसे पूछा- किसी एक पेंटिंग का क्या अर्थ है? हुसैन ने जवाब दिया- 'मैंने चित्र बना दिया, अर्थ तुम निकालो। कलाकार की कोशिश सिर्फ शुरूआत है, कहानी दर्शक पूरी करते हैं।' देवदास की शूटिंग का किस्सा संजय लीला भंसाली की फिल्मों में भव्यता तो रहती ही है, पर इसके पीछे कलाकारों की मेहनत किस हद तक जाती है, यह देवदास की टीम अच्छी तरह समझती है। माधुरी ने फिल्म की शूटिंग को याद करते हुए कहा कि कि आइकॉनिक गीत डोला रे डोला की शूटिंग उनके और ऐश्वर्या राय दोनों के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं थी। भारी आभूषण, वजनी लहंगे और मुश्किल कोरियोग्राफी फिर भी आखिरकार स्क्रीन पर वही जादू उतरा, जिसका भंसाली की फिल्मों में वादा होता है। माधुरी दीक्षित ने कहा- 'हम दोनों बार-बार एक-दूसरे को देखकर कहते थे- ओह माय गॉड, कितना भारी है यह!' इसी तरह मार डाला गीत की शूटिंग भी भारी पोशाकों में हुई। लेकिन फिल्म की भव्यता के अनुरूप, हर कॉस्ट्यूम को वास्तविक और पारंपरिक दिखाना जरूरी था।

अपने कपड़ों, मेकअप को कभी दोष मत दो! ऐश्वर्या राय ने लड़कियों को बताई पते की बात, कहा-स्ट्रीट हैरेसमेंट तुम्हारी गलती..

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन यूं तो अक्सर अपने लुक्स या पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। वहीं, हाल ही में एक्ट्रेस ने सड़क पर होने वाली छेड़छाड़ (स्ट्रीट हैरेसमेंट) के खिलाफ लड़कियों को ऐसा ज्ञान दिया है, जिसके बाद उनकी खूब तारीफ हो रही है। यह मैसेज उन्होंने लोरियल पेरिस के जंदक न्च ट्रेनिंग कैंपेन के लिए बनाए गए वीडियो में शेयर किया। लोरियल पेरिस के जंदक न्च ट्रेनिंग कैंपेन के दौरान ऐश्वर्या राय ने महिलाओं से कहा कि वे किसी भी तरह की छेड़छाड़ के लिए खुद को दोष न दें। वीडियो में एक्ट्रेस कहती हैं-स्ट्रीट हैरेसमेंट... उससे कैसे निपटें? आंखें झुकाकर? नहीं। प्रॉब्लम का आंख मिलाकर सामना करें। सिर ऊंचा रखें। मेरा शरीर, मेरी पहचान, मेरी कीमत, इन पर कभी समझौता मत करो। खुद पर शक मत करो। अपने लिए खड़े हो। अपने कपड़ों या मेकअप को दोष मत दो। स्ट्रीट हैरेसमेंट कभी भी आपकी गलती नहीं होती। ऐश्वर्या का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और यूजर्स उनकी बात पर सहमति जताते हुए उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों ने इसे जागरूकता बढ़ाने वाला और जरूरी मैसेज बताया। वर्क फ्रंट की बात करें तो ऐश्वर्या आखिरी बार मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवनरू पार्ट 2 में देखा गया था, जिसने दुनियाभर में 344 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन स्मिथ का निधन, 62 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

लंदन। स्मिथ का टेस्ट क्रिकेट में औसत 43.67 का रहा और उन्होंने 28 अर्धशतक और नौ शतक लगाए। उनका शीर्ष स्कोर 1994 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 175 रन बनाना रहा। स्मिथ ने ऐसे समय वेस्टइंडीज के खिलाफ ये पारी खेली जब वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी आक्रमण काफी शानदार होता था। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन स्मिथ का 62 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके परिवार ने इस बात की पुष्टि की है। स्मिथ ने इंग्लैंड के लिए 1988 से 1996 तक 62 टेस्ट मैच और 71 वनडे मुकाबले खेले। वह उस टीम का हिस्सा रहे जो 1992 विश्व कप में उपविजेता रही थी। वनडे में स्मिथ का शीर्ष स्कोर नाबाद 167 रन बनाना रहा। उन्होंने 1993 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये पारी खेली थी। स्मिथ का क्रिकेट करियर स्मिथ का टेस्ट क्रिकेट में औसत 43.67 का रहा और उन्होंने 28 अर्धशतक और नौ शतक लगाए। उनका शीर्ष स्कोर 1994 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 175 रन बनाना रहा। स्मिथ ने ऐसे समय वेस्टइंडीज के खिलाफ ये पारी खेली जब वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी आक्रमण काफी शानदार होता था। स्मिथ काउंटी क्रिकेट में भी खेले और उन्होंने हैम्पशायर टीम का प्रतिनिधित्व किया।

इमरान समर्थकों के सामने शहबाज सरकार ने टेके घुटने बहन को जेल में मुलाकात की इजाजत मिली

रावलपिंडी। इमरान खान की बहन उजमा खान को उनसे मिलने की इजाजत मिल गई है। सरकार की ओर से अनुमति मिलने के बाद इमरान खान एक महीने बाद अपने किसी परिजन से मुलाकात करेंगे। पाकिस्तान सरकार ने मंगलवार को इमरान खान की बहन को जेल में उनसे मिलने की इजाजत दे दी है। सरकार की ओर से यह फैसला तब लिया गया है जब उनकी सेहत को लेकर लगाई जा रही अटकलों के बाद रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक जमा हो गए थे। 73 साल के पूर्व क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान अगस्त 2023 से कई मामलों में जेल में हैं। पिछले एक महीने से उनसे किसी को मिलने की इजाजत नहीं दी गई है। लंबे समय से इमरान खान से उनके परिजनों को पाकिस्तान सरकार मिलने नहीं दे रही थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख से उनके परिवारवालों के लिए बुलाया मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान खान को लगभग

लगातार मिलने से मना करने के कारण सोशल मीडिया पर यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह जिंदा हैं या मर गए। हालांकि अदियाला जेल अधिकारियों ने दावा किया कि उनकी सेहत अच्छी है। बहन उजमा खातून को मुलाकात के एक महीने बाद उनकी बहन डॉ. उजमा खान से मिलने की इजाजत दी गई है। बताया जा रहा है कि जेल प्रशासन ने डॉ. उजमा को जेल परिसर के अंदर बुलाया है। जहां वह इमरान खान से मुलाकात करेंगी। अदियाला जेल के बाहर इमरान खान के समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद हैं। बहन से मुलाकात के बाद इमरान खान की सेहत की जानकारी सामने आएगी। वहीं दूसरी ओर पीटीआई ने एक बयान में कहा कि इमरान खान की एक बहन डॉ. उजमा खान को उनसे मिलने की इजाजत दी गई, लेकिन देखते हैं कि सरकार अपना वादा पूरा करती है या नहीं। इस बीच, पंजाब सरकार ने पीटीआई के विरोध को रोकने के लिए अदियाला रोड पर पूरी रावलपिंडी पुलिस फोर्स तैनात कर दी। सरकार ने पहले ही रावलपिंडी और इस्लामाबाद में धारा 144 लगा दी है। रावलपिंडी के आठ पुलिस स्टेशनों के स्टेशन हाउस ऑफिसर और सीनियर अधिकारी अदियाला जेल के बाहर मौजूद हैं। पंजाब में धारा 144 लागू पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने बताया, आठ किलोमीटर का इलाका पूरी तरह से सील कर दिया गया है। स्कूल और कॉलेज बंद हैं। इलाके से गुजरने के लिए लोगों को अपना आईडी कार्ड दिखाना जरूरी है। वकीलों के एक ग्रुप ने इमरान खान को आइसोलेशन में रखने के लिए सरकार के खिलाफ इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन भी किया। गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी ने कहा कि इस्लामाबाद और रावलपिंडी में किसी भी कीमत पर धारा 144 का पालन पक्का किया जाएगा। चाहे वे इस्लामाबाद हाईकोर्ट आएं या अदियाला जेल, धारा 144 के तहत बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले इमरान खान के बेटे कासिम खान ने सरकार से उनके जिंदा होने का सबूत पेश करने की मांग की थी। खान के बेटे कासिम खान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हम उनके (इमरान खान) जिंदा होने का सबूत मांगते हैं।

जेलेंस्की का दावा- बदलाव के साथ बेहतर दिख रही ट्रंप की शांति योजना

कीव। तीन साल से अधिक समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए कूटनीतिक कोशिशें तेज हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि अमेरिका द्वारा तैयार ट्रंप प्रशासन की पुरानी शांति योजना में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं और यह अब पहले से बेहतर दिख रही है। उनके मुताबिक संशोधित प्रस्ताव पर काम जारी रहेगा ताकि संघर्ष समाप्त करने का व्यवहारिक समाधान निकल सके। तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष में अब चारों तरफ से शांति स्थापित करने की कोशिश का जा रही है। इसी बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ट्रंप की शांति योजना को लेकर अहम बातें कही। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका द्वारा तैयार की गई ट्रंप प्रशासन की पुरानी शांति योजना में बदलाव किए जा रहे हैं और अब वह पहले से बेहतर दिख रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना पर काम आगे भी जारी रहेगा ताकि लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने का रास्ता निकाला जा सके। बता दें कि जेलेंस्की ने ये बात सोमवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के बाद कही। दोनों नेताओं की बातचीत का मकसद था, एक संभावित युद्धविराम के लिए शर्तें तय करना। इस बात पर मैक्रों ने कहा कि बातचीत अभी शुरूआती दौर में है, लेकिन यह भविष्य के लिए एक अहम मोड़ साबित हो सकती है। अमेरिका- रूस बैकडोर बातचीत पर सवाल उधर, क्रेमलिन ने पुष्टि की कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन मंगलवार को अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से मिलेंगे। विटकॉफ पर यह आरोप लगा था कि उन्होंने पुतिन के सलाहकार को यह सलाह दी कि ट्रंप के सामने शांति योजना कैसे रखी जाए। रविवार को यूक्रेन व अमेरिका की एक बैठक भी हुई थी, जिसे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उपयोगी बताया। ट्रंप की पुरानी योजना विवादों में हालांकि दूसरी ओर ट्रंप प्रशासन की पुरानी 28-बिंदुओं वाली योजना पर कई आलोचनाएं हुई थीं। कारण है कि उसमें यूक्रेन की सेना का आकार सीमित करने, नाटो में शामिल होने से रोकने और यूक्रेन को कुछ क्षेत्र छोड़ने जैसे प्रस्ताव थे। ऐसे में अब ट्रंप इसे सिर्फ एक कॉन्सेप्ट बता रहे हैं, जिसे आगे सुधारा जाएगा। यूरोप की भूमिका अहम, समझिए कैसे? गौरतलब है कि इस संघर्ष को खत्म करने की कोशिशों में यूरोप की भूमिका अहम मानी जा रही है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि किसी भी शांति योजना में यूरोपीय देशों की भागीदारी जरूरी है। फ्रांस के अलावा जर्मनी, ब्रिटेन, इटली, पोलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, नीदरलैंड और ईयू के बड़े नेता भी इस चर्चा में शामिल हुए। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काया कल्लास ने चिंता जताई कि इससे यूक्रेन पर अनावश्यक दबाव डाला जा सकता है।

मुश्किल समय में श्रीलंका का सहारा बना भारत

कोलंबो। चक्रवात दित्वाह से श्रीलंका में बाढ़ और भूस्खलन का कहर जारी है, जहां कई इलाके पूरी तरह कट गए हैं। इस संकट के बीच भारत का ह्यऑपरेशन सागर बंधुह्व सबसे बड़ी उम्मीद बना है।भारतीय एनडीआरएफ ने पुत्तलम में मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए नौ महीने की गर्भवती महिला को सुरक्षित बचाकर तुरंत चिकित्सा मदद पहुंचाई। श्रीलंका इन दिनों चक्रवात ह्यदित्वाहह्व से हुई भारी तबाही से जूझ रहा है। देश में लगातार हो रही बारिश, बाढ़ और भूस्खलन ने कई इलाकों को पूरी तरह काट दिया है। ऐसी भयावह स्थिति में श्रीलंका के लिए भारत का राहत अभियान सबसे बड़ी उम्मीद बनकर उभरा है। बाढ़ और भूस्खलन से जूझते कई इलाकों में हालात बेहद गंभीर हैं, वहीं भारतीय एनडीआरएफ टीम ने पुत्तलम जिले में मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए नौ महीने की गर्भवती महिला को सुरक्षित बचाकर तत्काल चिकित्सा सहायता पहुंचाई। बता दें कि 'चक्रवात दित्वाह' के चलते श्रीलंका में लगातार हो रही बारिश, बाढ़ और भूस्खलन ने कई इलाकों को पूरी तरह काट दिया है। कई स्थानों पर सड़कें टूट गई हैं और राहत पहुंचाना मुश्किल हो गया है। स्थिति इतनी खराब हो गई है कि 16 नवंबर से

अब तक 390 लोगों की मौत हो चुकी है और 352 लोग लापता हैं। ऐसे में भारत ने एक अच्छे पड़ोसी होने का परिचय देते हुए मदद का हाथ आगे बढ़ाया और श्रीलंका की मदद के लिए बड़ा राहत अभियान चलाया है, जिसे ऑपरेशन ह्यसागर बंधुह्व नाम दिया गया है। नौ महीने की गर्भवती महिला को बचाया भारतीय उच्चायोग के अनुसार, पुत्तलम जिले में एनडीआरएफ ने नौ महीने की गर्भवती महिला को सुरक्षित बाहर निकालकर तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई। इसके अलावा एनडीआरएफ टीमों ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर लगभग 800 लोगों तक खाने और जरूरी सामान की सप्लाई पहुंचाई, जो बाढ़ के कारण फंसे हुए थे। इसी राहत अभियान में भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने 5.5 टन से अधिक राहत सामग्री हवा से गिराई। कई क्षेत्रों में जमीन पर उतरना संभव नहीं था, इसलिए हेलीकॉप्टरों से सामग्री ऊपर से पहुंचाई गई। वायुसेना ने गंथुना इलाके से चार गंभीर रूप से घायल लोगों को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया, जिससे उनकी जान बचाई जा सकी। लापता लोगों की तलाश जारी, जानिए पूरा अपडेट गौरतलब है कि बड़ौदा जिले में लापता लोगों की तलाश भी जारी है, जहां एनडीआरएफ ने पांच फीट से ज्यादा मलबे के नीचे से एक व्यक्ति का शव निकाला। इसके अलावा, भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सुकन्या से त्रिंकोमाली पहुंची राहत सामग्री को श्रीलंका वायुसेना ने पूर्वी प्रांत के बेहद प्रभावित इलाकों तक पहुंचाया। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) के मुताबिक, 25 जिलों के 382,651 परिवारों यानी लगभग 13.7 लाख लोग खराब मौसम से प्रभावित हुए हैं।

बांग्लादेश लौटने की तैयारी में बेटा तारिक रहमान

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत गंभीर है, उन्हें ढाका के एवरकेयर अस्पताल में वेंटिलेशन पर रखा गया है और सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ऐसे में बिगड़ती सेहत के बीच 15 साल से लंदन में रह रहे उनके बेटे और बीएनपी कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान अब बांग्लादेश लौटने की तैयारी में हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष 80 वर्षीय बेगम खालिदा जिया की तबीयत गंभीर बनी हुई है। ताजा अपडेट के अनुसार उन्हें ढाका के एवरकेयर अस्पताल में वेंटिलेशन पर रखा गया है। उनकी सुरक्षा को देखते हुए अस्पताल में पुलिस और विशेष सुरक्षा बल (एसएसएफ) की तैनाती की गई है। दूसरी ओर अब खालिदा जिया की ज्यादा गंभीर होती तबीयत को देखते 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे उनके बेटे और बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान अब बांग्लादेश लौटने की तैयारी में हैं। इस बात की जानकारी बीएनपी के वरिष्ठ नेता ने दी। बीएनपी के वरिष्ठ नेता सलाहुद्दीन अहमद ने बताया कि खालिदा जिया के बेटे और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान, जो पिछले 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे हैं, जल्द ही बांग्लादेश लौटेंगे। तारीक नए बांग्लादेशी पासपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। कारण है कि रहमान अस्थायी सरकार द्वारा दिए गए एक बार यात्रा पास का इस्तेमाल नहीं करना चाहते। चुनाव को लेकर भी पार्टी में हलचल बता दें कि अगले साल फरवरी में होने वाले बांग्लादेशी आम चुनाव को लेकर भी देशभर में हलचल तेज है। ऐसे में बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया का स्वास्थ्य खराब होना, पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है। ऐसे में बीएनपी की शीर्ष बैठक में पार्टी ने चुनावी रणनीति और वर्तमान राजनीतिक स्थिति

पर भी चर्चा की। बीएनपी, अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद बदलते राजनीतिक परिदृश्य में फिर से मुख्य राजनीतिक ताकत के रूप में उभर रही है। बढ़ाई गई अस्पताल की सुरक्षा उधर, खालिदा जिया की बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए अस्पताल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मंगलवार सुबह 2 बजे के करीब अस्पताल के मुख्य गेट पर बैरिकेड लगाई गई और दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। मध्यरात्रि से विशेष सुरक्षा बल के चार सदस्य अस्पताल में पहुंचे और लगभग तीन घंटे तक सुरक्षा निरीक्षण किया। खालिदा जिया को अस्पताल की चौथी मंजिल पर एक अलग कैबिन में रखा गया है और आसपास के सभी कमरे खाली करवा दिए गए हैं।

पहली बार धमाके में महिला फिदायीन का इस्तेमाल

बलूचिस्तान। बलूच लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने दावा किया है कि पहली बार उसने महिला फिदायीन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान के फ्रंटियर कोर के एक सुरक्षित परिसर पर हमला किया। यह परिसर चीन के कॉपर और गोल्ड प्रोजेक्ट से जुड़ा है। हमलावर ने सुरक्षा गेट पर खुद को विस्फोट से उड़ा दिया, जिससे अन्य बीएलएफ लड़ाके परिसर में घुस सके। बलूचिस्तान के चगाई में फ्रंटियर कोर के एक सुरक्षित परिसर पर रविवार शाम को बलूच लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने हमला किया।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **23.12.2025** को **15.00 बजे** तक है आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुयल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	**निविदा सूचना संख्या :** 12702025 dated 01.12.2025
2	**कार्य का नाम :** सहायक मंडल इंजीनियर द्वित्य सुल्तानपुर के अनुभाग, जो वरिष्ठ मंडल इंजीनियर चतुर्थ लखनऊ के अधिकार क्षेत्र में आता है, के अंतर्गत ORN-3 पुलों (ZBD-SLN: 22 पुल तथा AYC-SLN: 1 पुल, कुल 23 पुल) के पुनर्निर्माण का कार्य। (रेलवे की आवश्यकता के अनुसार अधिकतम 3 पुलों का लॉन्चिंग एक ही ब्लॉक में की जाएगी।
3	**अनुमानित लागत :** रु. 4,94,54,774.04
4	**धरोहर राशि :** रु. 3,97,300.00
5	**कार्य समापन की अवधि :** स्वीकृत पत्र की तिथि से 12 माह
6	**निविदा डालने का प्रारंभ :** 09.12.2025
7	**निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 23.12.2025, 15:00 बजे
8	**बेबसाईट : www.ireps.gov.in**

निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त बेबसाईट पर उपलब्ध है। **3722 /2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक, हज़रतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	**ई-निविदा सूचना सं. :** 1173-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ-तृतीय कॉल दिनांक 01.12.2025
2.	**कार्य का नाम :** 02 वर्ष की अवधि के लिए लखनऊ डिवीजन में SSE/Elect/BSB, JNU, MBDP एवं PRG ज़ोन के तहत सबमर्सिबल पंप और मोटर सेट की रेजिंग, लोवरिंग, एरेक्शन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग।
3.	**अनुमानित लागत :** रु. 15,90,016/- (पन्द्रह लाख नब्बे हज़ार सोलह रूपये मात्र)
4.	**बयाना राशि :** रु. 31,900/- (इक्कतीस हज़ार नौ सौ रूपये मात्र)
5.	**कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 24 माह
6.	**ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि :** दिनांक 23.12.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हज़रतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
7.	**प्रस्ताव की वैधता :** ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	**उत्तर रेलवे की वेबसाइट :** अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर चेक की जा सकती है।

सं.: 1173-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ-तृतीय कॉल दिनांक: 01.12.2025 **3721/25**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ट्रंप ने उठाया ऐसा कदम, खत्म हो जाएगी रूस-यूक्रेन जंग

मॉस्को। करीब तीन साल से ज्यादा वक्त से जारी रूस-यूक्रेन जंग को रोकने के लिए अमेरिका की तरफ से प्रयास तेज किए जा रहे हैं। इस कड़ी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशों में एक नया मोड़ आया है। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ मंगलवार को रूस की राजधानी

मॉस्को में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि वे एक शुरूआती शांति प्रस्ताव लेकर आए हैं, जिसे अमेरिका युद्ध खत्म करने की दिशा में एक अवसर के रूप में देख रहा है। इसी दौरान, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की यूरोप के देशों के दौरे पर निकले हैं और मंगलवार को वे आयरलैंड पहुंचे। यह दौरा यूरोपीय समर्थन को मजबूत करने के लिए है, क्योंकि यूरोप यूक्रेन की लड़ाई में बड़ा सहयोगी रहा है। दो मोर्चों पर अमेरिका की कूटनीति पिछले कुछ महीनों से शांति प्रयासों में सफलता न मिलने पर, अमेरिका ने अब तेजी से पहल शुरू की है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो यूक्रेन अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। वहीं अब विटकॉफ रूस से बातचीत करेंगे। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका दोनों पक्षों को एक मध्य मार्ग पर लाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि बातचीत अभी शुरूआती स्तर पर है और बहुत कम जानकारी सार्वजनिक हुई है। यूरोप भी चाहता है समाधान यूरोपीय देश इस प्रक्रिया को ध्यान से देख रहे हैं। उन्हें डर है कि अगर रूस को ज्यादा रियायतें मिलीं, तो आगे उसके और भी विस्तारवादी कदम उठाने का खतरा रहेगा। इसके साथ ही यूरोपीय नेताओं के सामने यह सवाल भी है कि यूक्रेन की आर्थिक और सैन्य मदद आगे कैसे जारी रखी जाए, क्योंकि संसाधन सीमित हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बताया कि उन्होंने, जेलेंस्की ने और विटकॉफ ने आठ यूरोपीय नेताओं, ईयू और नाटो प्रमुखों के साथ एक संयुक्त बातचीत की है। मैक्रों का कहना है कि आने वाले कुछ दिन बेहद अहम होने वाले हैं। सीमाएं और सुरक्षा हैं सबसे बड़ी बाधा कूटनीतिज्ञों के मुताबिक मुख्य टकराव दो बातों पर है। जिसमें पहला ये कि कौन सा क्षेत्र किसके नियंत्रण में रहेगा? जबकि दूसरा यह है कि भविष्य में यूक्रेन की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी? इन दोनों सवालों पर अभी कोई सहमति नहीं बन पाई है। जेलेंस्की पर दबाव बढ़ा यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की स्थिति चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। एक तरफ युद्ध जारी है, वहीं दूसरी ओर सरकार में भ्रष्टाचार के आरोप उभर रहे हैं। इसके साथ-साथ यूक्रेनी अर्थव्यवस्था मुश्किल में है और रूस सैन्य रूप से दबाव बढ़ा रहा है। सोमवार देर रात रूस ने दावा किया कि उसने पूर्वी यूक्रेन के महत्वपूर्ण शहर पोक्रोव्स्क पर कब्जा कर लिया है। लेकिन जेलेंस्की ने कहा कि लड़ाई अभी भी जारी है।

चीन से बांग्लादेश पहुंची डॉक्टरों की विशेष टीम

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया का स्वास्थ्य अभी भी नाजुक स्थिति में है। इसके लिए उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट में शिफ्ट कर वेंटिलेशन पर रखा गया। इसी बीच बिगड़ते हालात को देखते हुए चीन की पांच सदस्यीय डॉक्टरों की विशेष टीम भी इलाज के लिए बांग्लादेश पहुंची। दूसरी ओर अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है। बांग्लादेश की तीन बार की प्रधानमंत्री और राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया का स्वास्थ्य अभी भी नाजुक स्थिति में है। उन्हें इलाज के लिए ढाका के एवरकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में और बिगड़ते हालात को देखते हुए चीन की पांच सदस्यीय विशेषज्ञ टीम सोमवार को ढाका पहुंची और रात में अस्पताल में इलाज की प्रक्रिया में शामिल हो गई। इस टीम ने अस्पताल के चिकित्सा बोर्ड से बैठक की, जिसमें उनके स्वास्थ्य के बारे में चर्चा हुई। अस्पताल के हृदय विशेषज्ञ और बोर्ड के प्रमुख डॉ शाहाबुद्दिन तालुकदार ने बताया कि खालिदा जिया की हालत स्थिर नहीं है और वह फिलहाल विदेश में इलाज के लिए यात्रा करने योग्य नहीं हैं। बता दें कि 80 वर्षीय खालिदा जिया को 23 नवंबर को दिल और फेफड़ों में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आने के बाद उन्हें चार दिन बाद कोरोनरी केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया। रविवार रात से उन्हें वेंटिलेशन पर रखा गया है। अस्पताल के बाहर बढाई गई सुरक्षा दूसरी ओर बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की गंभीर स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए अस्पताल के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल हुआ कनाडा

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक बयान में कहा, में कनाडा की भागीदारी से सैन्य क्षमता की कमियों को दूर किया जाएगा, इससे कनाडाई निर्यातकों के लिए मार्केट का विस्तार होगा, और कनाडा में यूरोपियन रक्षा निवेश को बढ़ावा मिलेगा।' यूरोपीय संघ रक्षा फंड में कनाडा भी शामिल हो गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कनाडा के इस कदम को सैन्य खर्च के लिए अमेरिका पर निर्भरता से दूर जाने के तौर पर देखा जा रहा है। यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल होने के बाद कनाडा को 150 अरब यूरो का रक्षा कर्ज आसानी से मिल सकेगा। यूरोपीय संघ के इस रक्षा फंड को यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई (रअत्र्ह्र) के नाम से जाना जाता है। इस समूह में शामिल होने के बाद कनाडा की कंपनियों को विभिन्न रक्षा उपकरण खरीदने के लिए यूरोपीय संघ का सस्ता लोन मिल सकेगा। यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई (रीू४१३८ अू३ङ्कल्ल ाङ्क१ ंरीं ए४१ङ्कस्त्री) यूरोपीय संघ (एव) का एक वित्तीय साधन है जिसका उद्देश्य सदस्य देशों को साझा रक्षा खरीद के लिए 150 अरब यूरो तक की वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह यूरोपीय संघ के उधार के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा और इसका लक्ष्य यूरोपीय रक्षा और औद्योगिक आधार को मजबूत करना, महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देना और यूरोपीय रक्षा को मजबूत करना है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक बयान में कहा, 'रअत्र्ह्र में कनाडा की भागीदारी से सैन्य क्षमता की कमियों को दूर किया जाएगा, इससे कनाडाई निर्यातकों के लिए मार्केट का विस्तार होगा, और कनाडा में यूरोपियन रक्षा निवेश को बढ़ावा मिलेगा।' गौरतलब है कि कनाडा पहला गैर-यूरोपीय देश है जिसे रक्षा फंड में शामिल किया गया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।